

# दिल्ली राजपत्र

## Delhi Gazette



असाधारण

EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 152]	दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 20, 2013/भाद्र 29, 1935	[ रा.रा.रा.क्षे.दि. सं. 135
No. 152]	DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 20, 2013/BHADRA 29, 1935	[N.C.T.D. No. 135

भाग—IV

PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार  
GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

वित्त (राजस्व-1) विभाग

अधिसूचनाएं

दिल्ली, 20 सितम्बर, 2013

सं. फा. 3(16) वित्त/(राज.-1)/2013-14/डी.एस. VI/785.—दिल्ली मूल्य संबंधित कर अधिनियम, 2004 (2005 के दिल्ली अधिनियम 3) की धारा 102 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपरान्तपाल, दिल्ली मूल्य संबंधित कर नियमावली, 2005 का पुनः संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

नियमावली

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों को दिल्ली मूल्य संबंधित कर (तृतीय संशोधन) नियमावली, 2013 कहा जाएगा।  
(2) ये दिल्ली राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी होंगे।
2. नियमावली 3 में संशोधन.—दिल्ली मूल्य संबंधित कर अधिनियम, 2005 (इसे पश्चात् "मूल नियमावली" के रूप में संदर्भित होंगे), मूल नियम में नियम 3 में निम्नवत प्रतिस्थापित किये जायेंगे:—

"3. कार्य ठेका

1. एक कार्य ठेका के निष्पादन से उत्पन्न होने वाले कारोबार के मामले में कर योग्य कारोबार में अनुबंध के तहत व्यापारी को प्रतिफल की कुल भुगतान राशि या देय राशि शामिल है और निम्न का शामिल नहीं होगा:—

- (i) प्रभार, जिनमें श्रम, सेवाओं और अन्य इसी प्रकार के प्रभार हों, तथा
- (ii) प्रभार, जो सिविल कार्य ठेके में भूमि की लागत के रूप में, यदि कोई हो,

उपरोक्त प्रभार के भुगतान साक्ष्य दस्तावेज के रूप में व्यापारी द्वारा समुचित रिकॉर्ड जैसे बीजक, वाउचर, चालान या अन्य कोई दस्तावेज, जो आयुक्त की संतुष्टि के लिए बनाये जाते हों, रखे जायेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इस नियम के प्रयोजन के लिए शब्द 'सिविल कार्य ठेका' में आवासीय या वाणिज्यिक इमारत, काम्प्लेक्स या परिसरों का निर्माण, पुल, फ्लाईओवर, बांधों, नहरों, विचलन, समान प्रकृति के अन्य काम, साथ ही जमीन के मालिक या मालिकों तथा ठेकेदार, चिल्डर, डेवलपर्स, सहयोगियों, संपत्ति के निर्माण के लिए, चाहे किसी भी नाम से बुलाए जायें, इसी तरह के या अन्य सहयोग समझौते या संयुक्त विकास समझौते शामिल होंगे।

(1क) यदि सिविल कार्य ठेका का अनुबंध जिसका उल्लेख उन नियम (1) में है, उन प्रकृति के हैं, जिसमें जमीन मालिकों और ठेकेदारों के बीच अनुबंध हुए हैं या इसी प्रकार के अन्य समझौते जिनकी प्रकृति सहभागिता या सम्मिलित विकास से है, जहाँ ठेकेदार भवन/इकाई निर्माण करता है और निर्माण का विचार जमीन मालिक द्वारा दी जमीन के हिस्से के रूप में अतिरिक्त रुपये या उसके बिना आदान-प्रदान करता है, ठेकेदारों द्वारा जमीन मालिकों के लिए किये गए कार्य निम्न मूल्यों में से सर्वाधिक होंगे:—

(i) लाभ सहित, निर्माण का वास्तविक मूल्य, जो ठेकेदार द्वारा जमीन मालिक को प्रदान की गयी है, ठेकेदार द्वारा बनाये गए खाता पुस्तकों के अनुरूप होगी।

(ii) यदि कोई, जहाँ अनुपातिक रूप से जमीन मालिक द्वारा ठेकेदार को जमीन एक अलग संप्रेषण / विक्री विलेख द्वारा हस्तांतरित की गयी है, तो विलेख में उल्लिखित मूल्य जिसके आधार पर स्टाम्प शुल्क का प्रतिफल भुगतान के लिए कम कर दिया जाता है, जितना ठेकेदार द्वारा जमीन मालिक के खाते में देय चेक/ड्राफ्ट/इलेक्ट्रॉनिक भुगतान द्वारा प्रतिफल का भुगतान करता है।

(iii) दिल्ली (साधनों के अवमूल्यन निवारण) नियम, 2007 जैसा समय समय पर संशोधित किया गया है (उसे सर्किल रेट कहा जायेगा) उनके समझौते के समय जो दर लागू हो, के अंतर्गत जमीन के क्षेत्रफल के अनुपात के अनुरूप सर्किल रेट के तहत जमीन मालिक द्वारा ठेकेदार को हस्तांतरित की गयी, प्रतिफल भुगतान के लिए कम कर दिया जाता है तो जितना ठेकेदार जमीन मालिक के खाते में देय चेक/ड्राफ्ट/इलेक्ट्रॉनिक भुगतान द्वारा प्रतिफल का भुगतान करता है।

शर्त यह है कि जहां जमीन या संपत्ति के लिए अधिसूचना द्वारा सर्किल रेट अधिसूचित न किए गए हो वहां अन्य इमारतों या संपत्ति के लिए इलाके में प्रचलित भूमि और निर्माण के लिए सर्किल दर, जिनके लिए अलग सर्किल दरें अधिसूचित की गयी हैं, इस उप-नियम के तहत मूल्य के निर्धारण के प्रयोजन के लिए लिया जायेगा।

शर्त यह भी है कि इस उप-नियम के तहत कार्य अनुबंध का मूल्य, जिस दिन कार्य ठेका अनुबंध के लिए भूमि के मालिक और ठेकेदार के बीच समझौते को किया गया था, उस तारीख पर लागू निर्माण के सर्किल दर से कम नहीं होगा।

स्पष्टीकरण:-

1. इस अधिनियम के तहत ठेकेदार शब्द अपने में बिल्डरों, डेवलपर्स, सहयोगियों और अन्य इसी प्रकार के लोगों, उन्हें चाहे जिस नाम से संबोधित किया जाय, को शामिल करेगा।

2. ठेकेदार की कर योग्य कारोबार की गणना उसके द्वारा खरीददार के लिए निर्माण के लिए किए गए गतिविधि के संबंध में, इस नियम के उपनियम (1) के अनुसार अलग से की जाएगी।

( 1 ख ) उपनियम (1ए) के अंतर्गत आने वाले कार्य ठेका के मामले में, ठेकेदार द्वारा कार्य ठेका के निष्पादन में माल के समावेश के समय कर देय होगा।

(2) उपनियम (1) के उद्देश्य के लिए, प्रभार में श्रम, सेवाओं और अन्य तरह के प्रभार शामिल होंगे :-

(i) कार्यों के निष्पादन के लिए श्रम प्रभार;

(ii) योजना और आर्किटेक्ट की फीस के लिए प्रभार;

(iii) कार्य ठेका के निष्पादन के लिए मशीनरी और प्रयुक्त उपकरण, किराए पर या अन्यथा प्राप्त करने के लिए प्रभार;

(iv) कार्य ठेका के निष्पादन के लिए पानी, बिजली, ईंधन, आदि के रूप में उपभोग की गयी वस्तुओं की लागत, जिसमें कार्य ठेका में संपत्ति हस्तांतरित ना हुई हो;

(v) विपणन की लागत, श्रम और सेवाओं की आपूर्ति से संबंधित वित्त व्यय और प्रतिभूतियां सहित ठेकेदार की स्थापना की लागत;

(vi) श्रम और सेवाओं की आपूर्ति से संबंधित अन्य समान खर्च;

(vii) कार्य स्थलों के लाभ और हानि खाते को प्रस्तुत करने पर, श्रम और सेवाओं के विषय की आपूर्ति से संबंधित सीमा तक ठेकेदार द्वारा अर्जित लाभ :

शर्त यह है कि जहाँ श्रम, सेवाओं और अन्य तरह के प्रभारों की राशि व्यापारी के खातों की पुस्तकों से निर्धारित करने योग्य नहीं होती है, वहां इस तरह के प्रभारों की राशि निम्न तालिका में निर्दिष्ट प्रतिशत पर गणना की जाएगी:-

तालिका: कार्यों अनुबंधों के लिए प्रतिशत

क्रम सं	ठेके का प्रकार	अनुबंध के कुल मूल्य का प्रतिशत श्रम, सेवा और अन्य प्रभार
1	संयंत्र एवं मशीनरी का निर्माण और लगाना	पच्चीस प्रतिशत*
2	लोहे के ब्रुसेस, पुलोइन्स और इसी तरह की वस्तुओं के आपूर्ति और निर्माण सहित लोहे और इस्पात की संरचनात्मक कार्यों के लिए	पंद्रह प्रतिशत

	फेब्रिकेशन और निर्माण	
3	क्रेन और होइसट्स का निर्माण और लगाना	पंद्रह प्रतिशत
4	लिफ्ट और एस्केलेटर की स्थापना और निर्माण	पंद्रह प्रतिशत
5	रोलिंग शटर और बंधनेवाला फाटकों की लगाना और निर्माण	पंद्रह प्रतिशत
6	सिविल कार्य	पच्चीस प्रतिशत*
7	दरवाजे, डोर फ्रेम्स, खिड़कियाँ, फ्रेम और ग्रिल को लगाना	बीस प्रतिशत
8	टाइल्स, स्लैब्स, पत्थर और चादरों की आपूर्ति और लगाना	बीस प्रतिशत
9	एयर कंडीशनर और हवा कूलर की आपूर्ति और लगाना	पंद्रह प्रतिशत
10	डीप फ्रीजर, कोल्ड स्टोरेज संयंत्र, नम बनाये रखने वाले संयंत्र और डी-ह्यूमिडर्स सहित एयर कंडीशनिंग उपकरणों की आपूर्ति और लगाना	पंद्रह प्रतिशत
11	बिजली के सामान की आपूर्ति और फिटिंग, ट्रांसफार्मर सहित बिजली के उपकरणों की आपूर्ति और लगाना	पंद्रह प्रतिशत
12	फर्नीचर और फिक्सचर की आपूर्ति और फिक्सिंग, विभाजन जिसमें आंतरिक सजावट और फाल्स सीलिंग ठेके शामिल हैं,	बीस प्रतिशत
13	रेलवे द्वारा आपूर्ति के लिए रेलवे कोच और वैगन का निर्माण	बीस प्रतिशत
14	मोटर वाहन के बॉडी का निर्माण और ट्रेलरों के निर्माण	बीस प्रतिशत
15	पाइपलाइन और जल निकासी या सीवरज के लिए सेनेटरी फिटिंग.	पच्चीस प्रतिशत
16	भूमिगत सतह पाइपलाइनों, तारों और नाली को बिछाना .	तीस प्रतिशत
17	वस्त्र उद्योग की छपाई और रंगाई	तीस प्रतिशत
18	वजन करने वाली मशीनों और वेइंगब्रिज की आपूर्ति और निर्माण.	पंद्रह प्रतिशत
19	पेंटिंग, पोलिशिंग और पुताई	तीस प्रतिशत
20	पुस्तक बंधन	पचास प्रतिशत
21	वस्त्र प्रसंस्करण जैसे रंगाई, निर्माण, सिलाई, कढ़ाई और अन्य इसी तरह की गतिविधियों, जहां वस्त्र की आपूर्ति ठेके दाता द्वारा होती है,	पचास प्रतिशत
22	इलेक्ट्रो प्लाटिंग, इलेक्ट्रो गल्वानिजिंग, एनोडिंग, पाउडर कोटिंग और अन्य इसी तरह की गतिविधियों	पचास प्रतिशत
23	पुराने टायर को फिर से चलाना	चलीस प्रतिशत
24	अन्य सभी ठेके जो उपरोक्त क्रम संख्या १ से २३ में निर्दिष्ट नहीं हैं	बीस प्रतिशत

\* दी गयी भूमि की लागत को छोड़कर, अनुबंध के कुल मूल्य का पच्चीस प्रतिशत जैसा इस नियम के तहत निर्धारित है, यदि कोई है।

(3) उपनियम (1) के उद्देश्य के लिए, भूमि की लागत को, यदि कोई हो, इरादा खरीदार के लिए बिल्डर द्वारा किए गए एक सिविल कार्य अनुबंध में, निम्नलिखित तरीके से निर्धारित किया जाएगा

(क.) जहाँ बिल्डर और इरादा क्रेता के बीच अलग संप्रेषण/बिक्री विलेख निष्पादित किया गया है, विलेख में उल्लिखित राशि।

(ख.) जहाँ जमीन के अलग से संप्रेषण/ बैनामा, बिल्डर और इरादा क्रेता के बीच भूमि के हस्तांतरण के लिए निष्पादित नहीं किया गया है वहाँ जमीन के समय कार्य अनुबंध समावेशी के मूल्य में भूमि के मूल्य को निम्न में से किसी एक आधार पर निकाला जा सकता है :

(i) जहाँ जमीन मालिक द्वारा बिल्डर को आनुपातिक भूमि एक संप्रेषण/ बिक्री विलेख द्वारा स्थानांतरित हो रही हो, स्टांप शुल्क का भुगतान करने के उद्देश्य से इस तरह के डीड के आधार पर भूमि की दर से।

(ii) जहाँ खंड (i) लागू नहीं है वहाँ उपनियम 1 (क) के अनुसार ठेके का भूमि अधिकार और मूल्य भूमि मालिक को बिल्डर द्वारा हस्तांतरित ठेकेदार द्वारा भूमि मालिक के खाते में देय चेक / ड्राफ्ट / इलेक्ट्रॉनिक भुगतान द्वारा प्रतिफल का भुगतान करता है, की दर से।

उदाहरण के लिए भूमि मालिक और बिल्डर एक समझौता करते हैं, जहाँ बिल्डर ४ इकाइयाँ बनाएगा, जो उन दोनों में बराबर से बाँटी जाएँगी। इसके अतिरिक्त बिल्डर भूमि मालिक को एक करोड रुपये देता है। चारों इकाइयों की निर्माण लागत चार करोड है। यहाँ बिल्डर २ करोड निर्माण मूल्य को हस्तांतरित कर देता है ( निर्माण का ५० प्रतिशत भाग भूमि मालिक को हस्तांतरित हो जाता है इसलिए ४ करोड को २ से विभाजित किया गया) इस मामले

में भूमि मालिक द्वारा हस्तांतरित भूमि की कीमत १ करोड़ + २ करोड़ = ३ करोड़, और बिल्डर द्वारा इरादा क्रेता को अपने भाग के हस्तांतरित भूमि की कीमत भी ३ करोड़ होगी (यदि २ इरादा क्रेता हैं तो १.५ करोड़)

(iii) उन सभी स्थितियों में जहाँ खंड (i) और (ii) नहीं लागू होते हैं जमीन की कीमत अधिसूचित सर्किल रेट के आधार पर निर्धारित की जाती है जो बिल्डर और इरादा क्रेता के बीच समझौते के वक्त थी।

शर्त यह है कि जहाँ अलग सर्किल रेट जमीन और निर्माण के लिए अधिसूचित नहीं किया गया है वहाँ सर्किल रेट स्थानीय दर जो अन्य क्षेत्रीय जमीन और निर्माण के लिए लागू है जिनके लिए सर्किल रेट अधिसूचित हो गए हैं उसे ही निर्धारण के लिए इस उपनियम के तहत आधार माना जाएगा।

शर्त यह भी है कि जहाँ सर्किल रेट से जमीन की दर निर्धारित की गयी है और इरादा क्रेता के साथ सम्प्रेषण/विक्री विलेख सर्किल रेट से अधिक है तो दोनों के अंतर को अनुपातिक रूप से जमीन की कीमत और कार्य ठेका (सामग्री और सेवा) के बीच विभाजित कर दिया जायेगा।

उदाहरण के लिए संयुक्त कार्य ठेका के मामले में जमीन की सर्किल रेट २ करोड़ है और निर्माण की सर्किल रेट १ करोड़ है। बिक्री विलेख की सम्मिलित दर (जमीन की कीमत और निर्माण की कीमत को मिलकर) ३.६० करोड़ है। ६० लाख रुपये के अंतर को २:१ के अनुपात में विभाजित कर दिया जायेगा और इस तरह जमीन की कीमत इस उपनियम के तहत २.४० करोड़ होगी।

स्पष्टीकरण १. इस उपनियम के लिए 'बिल्डर' से आशय उस व्यक्ति से है जो निर्माण कार्य को जमीन के मालिक की हैसियत से या मुख्तारनामा से या भूमि मालिक से समझौते के तहत या अन्य किसी समझौते के तहत या अपनी संपत्ति किसी दूसरे व्यक्ति को हस्तांतरित करता है अपने अधीन लेता है। जमीन और निर्माण के बारे में विचारार्थ निर्माण कार्य को पूरा करने के पहले, जो निर्माता द्वारा संयुक्त रकम के रूप में ली जाती है या एक पृथक समझौते के तहत ली जाती है। 'बिल्डर' शब्द में जमीन मालिक भी शामिल होंगे जो इरादा क्रेता को निर्माण कार्य पूर्ण होने से पहले संपत्ति को हस्तांतरित करते हैं।

स्पष्टीकरण २. इस उपनियम के अनुसार 'इरादा क्रेता' का अर्थ उस व्यक्ति से है जो निर्माण कार्य के पूरा होने से पहले ही संपत्ति खरीदने की सहमति देता है और इसके पूरा होने से पहले ही, पूरा या आंशिक प्रतिफल का भुगतान कर देता है।

स्पष्टीकरण ३. इस उप-नियम के अनुसार निर्माण कार्य को सक्षम अधिकारी द्वारा सम्पूर्णता प्रमाणपत्र जारी करने के समय पूर्ण माना जायेगा या उस समय और उस तरीके से जिसकी अधिसूचना सरकार ऐसे उद्देश्य से जारी करेगी। (ग) सिविल प्रकृति के कार्य ठेका जहाँ जमीन की कीमत के साथ प्रभार अदा किया जाता है, यदि ऐसा कुछ है जिसकी इस उपनियम के पूर्ववर्ती खंडों के तहत गणना नहीं की जा सकती है तो ऐसे प्रभारों के रकम की गणना ठेका मूल्य के ३० प्रतिशत के बराबर होगी, व्यावसायिक भवनों और कॉम्प्लेक्सों को छोड़कर उनकी गणना ठेका कार्य के सम्पूर्ण मूल्य के ५० प्रतिशत के बराबर होगी।

(घ) सिविल प्रकृति के कार्य ठेका की स्थिति में जहाँ संपूर्ण निर्मित क्षेत्र का एक हिस्सा मात्र ही हस्तांतरित किया जाता है, वहाँ जमीन की कीमत के प्रति प्रभार की गणना यथानुपात (प्रोराटा) के आधार पर निम्नलिखित सूत्र से की जाएगी

**आनुपातिक सुपर क्षेत्र X इस उपनियम में निर्धारित जमीन का मूल्य**  
**संपूर्ण क्षेत्र का क्षेत्रफल X फर्श क्षेत्र का क्षेत्रफल अनुपात**

स्पष्टीकरण १. अनुपाती सुपर क्षेत्र का अर्थ ऐसे खंड के लिए आच्छादित क्षेत्र से है जिसे हस्तांतरित के लिए बुक किया गया है,

स्पष्टीकरण २. क्षेत्र का क्षेत्रफल अनुपात = सम्पूर्ण निर्मित क्षेत्र / सम्पूर्ण क्षेत्र का क्षेत्रफल

४. सिविल प्रकृति के ठेका कार्य की स्थिति में जहाँ सम्पूर्ण निर्मित क्षेत्र का सिर्फ एक हिस्सा हस्तांतरित किया जा रहा है उपनियम २ में उद्धृत श्रमिक, सेवाओं अन्य प्रभारों के प्रति कटौती और खंड ९ के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट की गणना यथानुपात (प्रोराटा) आधार पर की जाएगी।

५. जहाँ बिल्डर और इरादा क्रेता के बीच निर्माण कार्य पूरा होने के पहले समझौता होता है, जिसका उद्धरण उप नियम (३) में है :

(i) जमीन की पूरी कीमत श्रम एवं सेवा की रकम जिसका निर्धारण एस नियम के तहत हुआ है को पूरी कीमत में से घटा कर निकली रकम को करयोग्य विक्रय कारोबार माना जायेगा

(ii) जिस किसी भी आकार में या तरीके से विचार मिलने के समय इरादा विक्रेता से उपरोक्त (i) के सम्बन्ध में देय होगा

(iii) बिल्डर को श्रमिक, सेवा एवं अन्य प्रभार के खर्च की कटौती करने का अधिकार होगा जिसका उल्लेख उपरोक्त (i) में जमा आउटपुर कर देय होगा।

(iv) खंड ६ के तहत बिल्डर इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा बिक्री कारोबार जिनका उल्लेख (i) में है, पृथक रूप से बनाए गये लेखा पुस्तकों के आधार पर कर सकेगा।

३. नियम ४४ क का प्रविष्टि करण— मूल नियमावली में नियम ४४ के बाद निम्नलिखित जोड़ दिए जायेंगे

"४४ क " धारा ५० के उप-धारा ४ के तहत एक कारोबारी द्वारा जारी एक रिटेल इनवॉइस जिसने खंड १६ के तहत कर चुकाने का निर्णय किया (जिसमें अधिसूचित की गयी स्कीम लगी थी) उपरोक्त धारा की उपधारा में विशिष्ट उल्लेख वाले विवरणों के अतिरिक्त सबसे उपर ये शब्द भी जोड़ेगा "समझौता कारोबारी" (बिल की रकम पर कर को वसूल करने लिए अपात्र)।

४ नियम २२ का संशोधन — मूल नियमावली में नियम २२, के उपनियम (२) में निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

" धारा ६० के उप-धारा ४ के तहत वह व्यक्ति सीलिंग खुलवाने या क्षेत्र को मुक्त करने के लिए जैसे कार्यालय, दुकान, गोदाम, बक्से, लाकर, सेफ, अलमारी या और रखने की वस्तु, विगत ३ वर्षों में अधिकतम जी.टी.ओ. का एक प्रतिशत या ५ लाख की रकम के बराबर राशी, जो भी अधिक हो, की सिक्योरिटी देगा ।"

५ नियम २३ का संशोधन मूल नियमवाली में, नियम २३ में, उप नियम (२) में निम्न, शामिल किया जाएगा. —

" (२क) धारा ६० की उप - धारा ४ के तहत एक व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किए जाने के लिए आवश्यक सिक्योरिटी कम— से— कम ५० % होगी, जैसा कि तालिका— सिक्योरिटी प्रपत्र की नंबर १ से नीचे और संतुलन की तालिका में निर्दिष्ट सिक्योरिटी के रूपों में, से किसी में हो सकता है।

६ नियम ६७क की प्रविष्टि —. मूल नियमवाली में नियम ६७ के बाद, निम्न जोड़ा जाएगा, अर्थात्—

" ६७क पावती को निर्धारित करने की शक्ति

आयुक्त ऐसे आवेदनो/ विवरणी की हार्ड कॉपी के एवज में, व्यापारी द्वारा ऑनलाइन दायर आवेदन / विवरणी के लिए एक रसीद निर्धारित सकते हैं। "

संशोधन का कारण सल्लेखित करें।

आर 5 आउटपुट कर की गणना	कुल बिक्री (रु.)	आउटपुट कर (रु.)
आर 5.1 प्रतिशत की दर पर कर योग्य वस्तुएं		
आर 5.2 5 प्रतिशत की दर पर कर योग्य वस्तुएं		
आर 5.3 12.5 प्रतिशत की दर पर कर योग्य वस्तुएं		
आर 5.4 20 प्रतिशत की दर पर कर योग्य वस्तुएं		
आर 5.5 5 प्रतिशत की दर पर कर योग्य संविदा कार्य		
आर 5.6 12.5 प्रतिशत की दर पर कर योग्य संविदा कार्य		
आर 5.7 छूट प्राप्त बिक्री (कर मुक्त)		

[illegible]

आर 6. दिल्ली में कुल कय का टर्न ओवर (कर रहित) एवं कर क्रेडिट	कय (रु0)	कर क्रेडिट (रु0)
आर 6.1 पूंजीगत वस्तुएं		
आर 6.2 अन्य वस्तुएं		
आर 6.2(1) 1 प्रतिशत की दर पर कर योग्य वस्तुएं		
आर 6.2(2) 5 प्रतिशत की दर पर कर योग्य वस्तुएं		
आर 6.2(3) 12.5 प्रतिशत की दर पर कर योग्य वस्तुएं		
आर 6.2(4) 20 प्रतिशत की दर पर कर योग्य वस्तुएं		
आर 6.2(5) 5 प्रतिशत की दर पर कर योग्य संविदा कार्य		
आर 6.2(6) 12.5 प्रतिशत की दर पर कर योग्य संविदा कार्य		
आर 6.3 स्थानीय खरीद जो इन पुट टैक्स क्रेडिट के लिए योग्य नहीं हैं		
आर 6.3(1) अप्रयोज्य व्यापारियों से खरीद		
आर 6.3(2) समझौता व्यापारियों से खरीद		
आर 6.3(3) नॉन क्रेडिटेबल वस्तुओं की खरीद (अनुसूची-VII)		
आर 6.3(4) कर मुक्त वस्तुओं की खरीद (छूट प्राप्त)		
आर 6.3(5) कार्य संविदा से संबंधित श्रम, सेवाओं की खरीद		
आर 6.3(6) टैक्स इन्वाइसेस के प्रति खरीद, आईटीसी के लिए मान्य नहीं		
आर 6.3(7) रिटेल इन्वाइस पर की गई खरीद		
आर 6.3(8) दिल्ली में डीजल और पेट्रोल की ऐसी कय जिसपर विभिन्न तेल विपणन कंपनियों के द्वारा पहले ही कर लगाया जा चुका है		
आर 6.3(9) एच फार्म के प्रति दिल्ली के व्यापारियों से खरीद		
आर 6.3(10) पूंजीगत वस्तुओं की खरीद (नॉन क्रेडिटेबल वस्तुओं के उत्पादन में प्रयोग के लिए)		
आर 6.4 समायोजन से पूर्व कर क्रेडिट		
आर 6.5 कर क्रेडिट के समायोजन (परिशिष्ट को पूरा कीजिए तथा योग क 4 की प्रविष्टि कीजिए)		
आर 6.6 कुल कर क्रेडिट (आर 6.4+आर 6.5)		

कुल क-4  
परिशिष्ट





4073 DG113 - 2

[illegible]

ए 3 टैक्स क्रेडिटों से समायोजन

समायोजन की प्रकृति	कर की दर (1,5,12.5, 20) %	कुल बिक्री में बढ़ोत्तरी / निहित राशि	कुल बिक्री में कमी / निहित राशि	टैक्स क्रेडिट में वृद्धि (ग)	टैक्स क्रेडिट में कमी (घ)
ए 3.1 कय मूल्य से विकय मूल्य कम होने के कारण टैक्स क्रेडिट को घटाने हेतु (धारा 10(5))					
ए 3.2 विक्रेता से डेबिट नोटों की प्राप्ति (धारा 10 (1))					
ए 3.3 विक्रेता से क्रेडिट नोटों की प्राप्ति पर (धारा 10 (1))					
ए 3.4 खरीदे गये सामान की वापसी अथवा अस्वीकार (धारा 10 (1))					
ए 3.5 सामान के प्रयोग में परिवर्तन, क्रेडिट की अनुमति के अलावा अन्य किसी उद्देश्यों से (धारा 10 (2) (ए))					
ए 3.6 सामान के प्रयोग में परिवर्तन, क्रेडिट की अनुमति प्राप्त उद्देश्यों से (धारा 10 (2) (बी))					
ए 3.7 दिल्ली से बाहर स्टॉक अंतरण के सम्बंध में अस्वीकृत टैक्स क्रेडिट (धारा 10(3))					
ए 3.8 1 अप्रैल, 2005 को रखे हुये टैक्स क्रेडिट (धारा 14)					
ए 3.9 'सेकंड'-हैंड सामान की खरीद हेतु टैक्स क्रेडिट हेतु (धारा 15)					
ए 3.10 कम्पोजिशन स्कीम से हटने की तिथि को रखे हुये सामान पर टैक्स क्रेडिट (धारा 16)					
ए 3.11 पंजीकरण के समय रखे हुये ट्रेडिंग स्टॉक तथा रॉ मैटीरियल हेतु टैक्स क्रेडिट (धारा 20)					
ए 3.12 खोये हुये अथवा नष्ट हुए सामान पर अस्वीकृत टैक्स क्रेडिट (नियम 7)					
ए 3.13 पूंजीगत सामान पर बकाया टैक्स क्रेडिट (धारा 9 (9)(ए))					
ए 3.14 पूंजीगत वस्तुओं पर दूसरी या तीसरी किस्त पर मिलने वाली शेष इनपुट टैक्स क्रेडिट (धारा 9 (9)(ए))					
ए 3.15 उपयोग के अधिकार पर बिक्री के लिए खरीदी गयी वस्तुओं पर दूसरी या तीसरी या चौथी किस्त पर मिलने वाली शेष इनपुट टैक्स क्रेडिट [धारा 9 (11)]					
ए 3.18 अन्य समायोजन, यदि कोई हो (उल्लेख करें)					
योग					
ए 4 टैक्स क्रेडिटों में कुल नेट वृद्धि / कमी (ग-घ)					

**परिशिष्ट-1ए**

अतिरिक्त विवरण निर्माण कार्य अनुबंध डीलरों द्वारा भरे जाने के लिए

डब्ल्यू.1	टैक्स अवधि के दौरान बिल किए गए कार्य अनुबंधों का मूल्य.	
डब्ल्यू.2	कार्य अनुबंधों का भुगतान जो कि टैक्स अवधि में प्राप्त किया गया।	
डब्ल्यू.3	सकल कारोबार (किसी भी कटौती का दावा करे बिना)	
डब्ल्यू.4	कटौती का विवरण	
डब्ल्यू.4(1)	श्रम और सेवाओं की राशि का दावा जो कि नियम 3 के अनुसार किया है (i) वास्तविक आधार पर राशि (ii) प्रतिशत के आधार पर राशि	
डब्ल्यू.4(2)	क्या कुल बिक्री में से किसी केन्द्रीय बिक्री या खरीद की राशि को घटाया गया है। यदि हाँ तो उल्लेख करें।	
डब्ल्यू.4(3)	क्या जीटीओ से उप ठेकेदार को भुगतान की गयी कोई राशि घटाई गई है? यदि हाँ तो उल्लेख करें।	
डब्ल्यू.4(4)	उप ठेकेदार से टीडीएस की काटी गयी राशि	
डब्ल्यू.4(5)	कोई और कटौती	

**परिशिष्ट-1 बी**

प्रयोग के अधिकार में लगे व्यापारियों से अतिरिक्त विवरण

पिछले वर्ष की ऑडिटेड बैलेंस शीट के अनुसार सम्पत्ति का कुल मूल्य	पिछले चार वर्षों के अंदर स्थानीय स्तर पर खरीदी गई सम्पत्तियों का विवरण जिन का आईटीसी मौजूदा विवरण में दावा किया गया			मौजूदा कर अवधि में सी या एफ फार्म पर खरीदी या हस्तांतरित की गई सम्पत्तियों का कुल मूल्य	प्राप्तियों का विवरण				टिप्पणी (यदि कोई हो)
	सम्पत्ति का विवरण (कृपया उल्लेख करें)*	मूल्य	आईटीसी का दावा		डीवैट के अंतर्गत कर योग्य बिक्री	कर की दर	केन्द्रीय अधिनियम के अंतर्गत कर योग्य बिक्री	कर की दर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

\* कार, बसें, हेलीकाप्टर, जेनरेटर, मोटर्स, एयरकंडीशनर्स, कूलर्स, हॉस्पिटल इक्यूपमेंट, अर्थमूविंग इक्यूपमेंट, टैन्ट्स, एटीएम्स, कम्प्यूटर्स, मैन्यूफैक्चरिंग मशीनें, पब्लिक एड्रेसिंग सिस्टम, प्रोजेक्टर्स, अन्य (कृपया उल्लेख करें)

परिशिष्ट-1 सीफॉर्म एच पर दिल्ली के व्यापारी को बिक्री से संबंधित अतिरिक्त विवरण

एच फॉर्म पर दिल्ली के निर्यातकों को किए गए पेनल्टीमेंट निर्यात तथा एच फॉर्म जमा न करने के फलस्वरूप उत्पन्न हुई कर की कुल देयता जो कि पिछले कर अवधियों से संबंधित है और आज की स्थिति, का विवरण नीचे दिया गया है			
तिमाही	बिक्री मूल्य	टैक्स के लागू दर	कर रकम

पिछली अवधि के एच फॉर्म जो डीवैट-56 के साथ संलग्न किये जाने हैं, का विवरण नीचे दिया गया है ।			
तिमाही	बिक्री मूल्य	टैक्स के लागू दर	कर रकम

परिशिष्ट-1 डी

कर की दर वार 31 मार्च ————— (वर्ष) को स्टॉक इन हैण्ड का विवरण

द्वितीय तिमाही रिटर्न के साथ भरें ।

दर	मूल्य
0%	
1%	
5%	
12.5%	
20%	
कुल	

**परिशिष्ट 2 क**  
**(अनुदेश 6 देखिए)**  
**क्रय/इनवार्ड शाखा अंतरण रजिस्टर का सारांश**  
**(तिमाही वार)**  
**(विवरण के साथ भरा जाए)**

दिन: \_\_\_\_\_

व्यापारी का नाम: \_\_\_\_\_

पता: \_\_\_\_\_ दिनांक: \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ तक की कर अवधि की खरीद

क्रय का सारांश (डीवैट 30 के अनुसार)

(सारी राशि रुपये में)

क्रम सं०	तिमाही एवं वर्ष	विक्रेता का दिन	विक्रेता का नाम	डी वैंट एक्ट के अंतर्गत कर की दर (सभी कॉलमों के लिए)
1	2	3	4	5

## इनपुट कर के क्रेडिट के लिए अनुपयुक्त अंतर्राज्यीय खरीद/स्टॉक अंतरण/आयात

भारत के बाहर से आयात	खुला सागर खरीद	सी फार्म के प्रति पूंजीगत वस्तुओं की खरीद	सी फार्म के प्रति वस्तुओं की खरीद (पूँजीगत वस्तुओं को छोड़कर)	एच फार्म के प्रति वस्तुओं की खरीद (दिल्ली व्यापारियों को छोड़कर)	बिना फार्म के खरीद	एफ फार्म के प्रति इनवार्ड स्टॉक अंतरण (शाखा)	एफ फार्म के प्रति इनवार्ड स्टॉक अंतरण (माल)	एफ फार्म के प्रति स्वयं का माल जॉब वर्क के लिए प्राप्त	एफ फार्म के प्रति अन्य व्यापारियों से जाब वर्क के लिए प्राप्त वस्तुएँ
6	7	8	9	10	11	12	13	14	15

## इनपुट कर के क्रेडिट के लिए अनुपयुक्त स्थानीय खरीद

अपजीकृत व्यापारियों से खरीद	समझौता व्यापारियों से खरीद	नॉन क्रेडिटेबल वस्तुओं की खरीद (अनुसूची-VII)	कर मुक्त वस्तुओं की खरीद (छूट प्राप्त)	कार्य संविदा से संबंधित श्रम और सेवाओं की खरीद	टैक्स इन्वाइसेस के प्रति खरीद, आईटीसी के लिए मान्य नहीं *	रिटायर्ड इन्वाइस पर की गई खरीद	दिल्ली में डीजल और पेट्रोल की ऐसी क्रय जिसपर विभिन्न तेल विपणन कम्पनियों के द्वारा पहले ही कर लगाया जा चुका है	एच फार्म के प्रति दिल्ली के व्यापारियों से खरीद	पूँजीगत वस्तुओं की खरीद (नॉन क्रेडिटेबल वस्तुओं के उत्पादन में प्रयोग के लिए)
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25

## इनपुट कर के क्रेडिट के लिए उपयुक्त स्थानीय खरीद

पूँजीगत वस्तुएँ		अन्य (वस्तुएँ)		अन्य (कार्य संविदा)	
खरीद मूल्य (कर रहित)	चुकाया गया इनपुट कर	खरीद मूल्य (कर रहित)	चुकाया गया इनपुट कर	खरीद मूल्य (कर रहित)	चुकाया गया इनपुट कर
26	27	28	29	30	31

टीप :- अपजीकृत व्यापारियों के संबंध में विवरण प्रत्येक तिमाही के लिए समेकित कर दर अनुसार विवरण।

\* कॉलम नंबर 21 में, डीईपीवी (स्वयं के उपभोग के लिए), उपभोग्य सामग्री व कच्चा माल जो कि कर मुक्त वस्तुओं के उत्पादन के लिए उपयोग की गई हैं, समाविष्ट होंगे।

व्यापारी/प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

## परिशिष्ट 2 ख

(अनुदेश 6 देखिए)

क्रय/आउटवार्ड शाखा अंतरण रजिस्टर का सारांश  
(तिमाही वार)  
(विवरणी के साथ भरा जाए)

दिन: -----

व्यापारी का नाम -----

पता ----- दिनांक ----- से ----- तक की कर अवधि की खरीद

क्रय का सारांश (डीवैट 31 के अनुसार)

(सारी राशि रुपये में)

क्रम सं०	तिमाही एवं वर्ष	विक्रेता का दिन/दूतावास/संगठन का पंजीकरण संख्या	विक्रेता/दूतावास/संगठन का नाम	कर की दर (डी वैट) (सभी कॉलमों के लिए)
1	2	3	4	5

## अंतर्राज्यीय बिक्री/स्टॉक अंतरण/निर्यात (कटौतियों) का टर्नओवर

निर्यात	खुला सागर बिक्री	एफ फार्म के प्रति स्वयं का माल जॉब वर्क के लिए अंतरण	एफ फार्म के प्रति अन्य व्यापारियों से जाब वर्क के लिए माल का अंतरण	एफ फार्म के प्रति माल का अंतरण (शाखा) -आउटवार्ड	एफ फार्म के प्रति माल अंतरण (प्रेषित) - आउटवार्ड	एच फार्म के प्रति बिक्री	आई फार्म के प्रति बिक्री	जे फार्म के प्रति बिक्री	सी-ई- I/ई-II फार्म के प्रति बिक्री	छूट प्राप्त वस्तु ओं की बिक्री (अनुसू ची-I )	धारा 8 (4) के साथ परिचित (धारा 9(1)) के परन्तुक के अंतर्गत बिक्री	दिल्ली के बाहर वस्तुओं की बिक्री (धारा 4)
6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18

## अन्तर्राज्यीय बिक्री का टर्नओवर (कर योग्य)

कर की दर(केन्द्रीय बिक्री कर)	सी फार्म के प्रति बिक्री पूंजीगत वस्तुओं को छोड़कर	सी फार्म के प्रति पूंजीगत वस्तुओं की बिक्री	बिना फार्म बिक्री	कर (केन्द्रीय बिक्री कर)	विक्रय मूल्य (वस्तुएँ) वैट रहित)	विक्रय मूल्य (कार्य संविदा ) वैट रहित)	आउ टपुट कर	सिविल कार्य संविदा में श्रम, सेवाएँ और अन्य तरह के चार्जेंस	सिविल कार्य संविदा में जमीन की कीमत से संबंधित चार्जेंस, यदि हो तो	दिल्ल ी के अंदर फार्म 'एच' पर बिक्री	दिल्ली में डीजल और पेट्रोल की ऐसी बिक्री जिसपर विभिन्न तेल विपणन कम्पनियों के द्वारा पहले हीं कर लगाया जा चुका है
19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30

टीप :- अपंजीकृत व्यापारियों के संबंध में विवरण प्रत्येक तिमाही के लिए समेकित कर दर अनुसार विवरण।  
छठी अनुसूची में विनिर्दिष्ट दूतावासों/संगठनों के संबंधित विवरण संस्था वार सूचित किया जाएगा।

व्यापारी/प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

व्यापार एवं कर विभाग  
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार  
परिशिष्ट -2 ग  
अनुदेश 42 देखिए  
स्थानीय खरीद से संबंधित डेबिट/क्रेडिट नोट का विवरण  
(वस्तुओं की वापसी/रद्द अन्य के साथ)  
(विवरणों के साथ भरा जाए)

कर अवधि-----

दिन: -----

नाम-----

क्रम संख्या	विक्रेता का दिन	विक्रेता का नाम	क्रेडिट नोट्स की प्राप्ति (कमी)		डेबिट नोट्स की प्राप्ति (वृद्धि)	
			टर्नओवर	कर(आईटीसी)	टर्नओवर	कर(आईटीसी)
1	2	3	4	5	6	7
जोड़						

नोट:- विक्रेता वार क्रेडिट/डेबिट नोट्स (बल्क/बीजक वार) विवरण भरें। क्रेडिट/डेबिट नोट की जारी करने की तिथि उसी तिमाही के अंदर होनी चाहिए जिस की रिपोर्ट हो रही है।

व्यापारी/प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

व्यापार एवं कर विभाग  
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार  
परिशिष्ट -2 घ  
(अनुदेश 42 देखिए)  
स्थानीय बिक्री से संबंधित डेबिट/क्रेडिट नोट का विवरण  
(वस्तुओं की वापसी/रद्द अन्य के साथ)  
(विवरणों के साथ भरा जाए)

कर अवधि-----

दिन: -----

नाम-----

क्रम संख्या	क्रेता का दिन	क्रेता का नाम	जारी किए गए क्रेडिट नोट्स (कमी)		जारी किए गए डेबिट नोट्स (वृद्धि)	
			टर्नओवर	कर(आईटीसी)	टर्नओवर	कर(आईटीसी)
1	2	3	4	5	6	7
जोड़						

नोट:- 1. क्रेता वार क्रेडिट/डेबिट नोट्स (बल्क/बीजक वार) विवरण भरें। क्रेडिट/डेबिट नोट की जारी करने की तिथि उसी तिमाही के अंदर होनी चाहिए जिस की रिपोर्ट हो रही है।

2. कॉलम नंबर 2 में अपंजीकृत व्यापारियों/ग्राहकों के लिए 'अपंजीकृत' शब्द प्रयोग करें।

व्यापारी/प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

**परिशिष्ट -2ड**  
(रिफंड दावा करने के लिए भरे)

क. सं.	दावेदार के द्वारा दी जाने वाली जानकारी							
अ.	ऐसे सभी बकाया धन वापसी के दावे जिन का विभाग द्वारा अभी तक निपटारा नहीं किया गया	कर अवधि/वर्ष	दावे का आधार डी वेट 16/ डी वेट 17/ डी वेट 21	बकाया धन वापसी का दावा				
ब.	क) देय/बकाया राशि का विवरण जो कार्य सविदा पर दिल्ली बिक्री कर अधिनियम / माल के उपयोग के अधिकार पर दिल्ली बिक्री कर अधिनियम / डीवैट अधिनियम और/या सीएसटी अधिनियम के अन्तर्गत है।	अवधि/वर्ष		बकाया देय राशि				
				दिल्ली बिक्री कर अधिनियम	कार्य सविदा पर दिल्ली बिक्री कर अधिनियम	माल के उपयोग के अधिकार पर दिल्ली बिक्री कर अधिनियम	डी वेट अधिनियम	सीएसटी अधिनियम
		1.						
		2.						
		3.						
	ख) कृपया यदि कोई ऑब्जेक्सन या अपील दाखिल की हो तो उस का विवरण दें।	बकाया राशि की अवधि	बकाया राशि	ऑब्जेक्सन न/अपील न (जो भी लागू हो)	अगर स्टेट की अनुमति हो गयी	डीवैट अपील प्रतिक्रिया	उच्च न्यायालय	सर्वोच्च न्यायालय
स.	i) अनुपालन सर्वे की तिथि, यदि हो तो।	दिन/माह/वर्ष						
	ii) कर अवधि के दौरान, आडिट, स्पेशल आडिट के लिए डी वेट 37 में नोटिस जारी हुआ है	दिन/माह/वर्ष						
द.	i) क्या सभी आवश्यक केन्द्रीय वैधानिक प्रपत्र फाइल कर दिये हैं	हाँ <input type="checkbox"/> नहीं <input type="checkbox"/>						
	ii) क्या आप सभी वैधानिक प्रपत्र प्राप्त होने तक धन वापसी का इंतजार करना चाहेंगे।	हाँ <input type="checkbox"/> नहीं <input type="checkbox"/>						
	iii) क्या आप बकाया वैधानिक प्रपत्रों के अनुपात में धन वापसी के दावे का समर्पण करने को तैयार हैं बशर्त कि आप को धारा 74 के अन्तर्गत वैधानिक उपाय उपलब्ध रहेगा।	हाँ <input type="checkbox"/> नहीं <input type="checkbox"/>						



क्या धन वापसी का दावा किया गया?

☐ हाँ

☐ नहीं

व्यापार एवं कर विभाग  
रा. रा. क्षेत्र दिल्ली सरकार  
फॉर्म डीवैट 17  
[नियम 28 देखें]

दिल्ली मूल्य संबंधित कर अधिनियम, 2004  
के अन्तर्गत कम्पोजिसन टैक्स रिटर्न

मूल / संशोधित

यदि संशोधित है तो

- (i) भूल रिटर्न जमा करने की तिथि
- (ii) रसीद पावती संख्या
- (iii) भूल या त्रुटि पता लगाने की तिथि

संशोधन का कारण संश्लेषित है.

आर१ कर अवधि	से		/		/		त		/		/	
		दिन		माह		वर्ष	क		दिन		माह	वर्ष

[illegible]

**पार्ट-ए** कार्य संविदा ठेकेदार को छोड़कर सगड़ौता व्यापारी के लिए

आर 3	क.सं.	वस्तुओं का विवरण	कमोडिटी कोड
आपके द्वारा किए गए कार्य संविदा की प्रमुख मदों का विवरण जिनका अलग-अलग कम्पोजिशन कर दर अलग-अलग है या जब तक बिक्री की मात्रा कम से कम 80 प्रतिशित ना हो(कर अवधि में सकल उत्पाद के घटते कम में 1. अधिकतम मात्रा 3. न्यूनतम मात्रा)	1		
	2		
	3		

[illegible]

आर 5 समझौता/आउटपुट कर की गणना	टर्नओवर (रुपये)	समझौता/आउटपुट कर(रुपये)
आर 5.1 0.1 प्रतिशत की दर पर समझौता		
आर 5.2 1 प्रतिशत की दर पर समझौता		
आर 5.3 समझौता/आउटपुट कर उप जोड़ (आर 5.1+आर 5.2)		

आर 5.4 पिछले कर अवधि का अग्रणीत शेष राशि					
आर 5.5 शुद्ध कर [आर 5.3- आर 5.4]					
आर 5.6 व्याज, यदि हो					
आर 5.7 अर्थदंड, यदि हो					
आर 5.8 शेष राशि यदि हो (आर 5.5 + आर 5.6 + आर 5.7)					
आर 5.9 घटा: व्यापारी द्वारा जमा राशि (भुगतान का सबूत डी वेट फॉर्म 56 के साथ लगाएँ)					
क्रम संख्या	जमा की तिथि	चालान संख्या	बैंक तथा शाखा का नाम	राशि	

‘ शुद्ध शेष अधिक नहीं होना चाहिए क्यों कि देय राशि रिटर्न से पहले जमा करनी होगी।

	यदि वापसी का दावा है तो इस बाक्स में विवरण दें ।
आर 8 बैंक खाते का विवरण	
आर 8.1 खाता संख्या	
आर 8.2 खाते का प्रकार (बचत / चालू खाता आदि)	
आर 8.3 एमआईसीआर संख्या	
आर 8.4	
अ) बैंक का नाम	
ब) शाखा का नाम	

आर 9 दिल्ली में खरीदी का कुल मूल्य		(रु)					
आर 9.1	0.1% की दर पर समझौता व्यापारी से खरीद						
आर 9.2	1% की दर पर समझौता व्यापारी से खरीद						
आर 9.3	1% की दर पर						
आर 9.4	5% की दर पर						
आर 9.5	12.5% की दर पर						
आर 9.6	20% की दर पर						
आर 9.7	छूट प्रदत्त खरीद						
आर 9.8	गैर पंजीकृत व्यापारियों से खरीद						

आर 10 सत्यापन

मैं/हम \_\_\_\_\_ एतद्वारा सत्य निष्ठा पूर्वक घोषणा करते हैं कि  
उपरोक्त सूचना मेरी/हमारी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है और इस में कुछ भी छिपाया नहीं गया  
है।

अधिकृत हस्ताक्षर कर्ता के हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

पूरा नाम \_\_\_\_\_

पदनाम/स्थिति \_\_\_\_\_

[illegible]

तिथि		
	दिन	

महीना	

वर्ष			

**पार्ट-बी - धारा 16(12) के अंतर्गत कार्य संविदा ठेकेदारों के लिए**

आर१ कर अवधि	से		/		/		त		/		/	
		दिन		माह		वर्ष	दिन			माह		वर्ष

[illegible]

<p>आर 3</p> <p>आपके द्वारा किए गए कार्य संविदा की प्रमुख मदों का विवरण जिनका अलग-अलग कम्पोजिशन कर दर अलग-अलग है या जब तक बिक्री की मात्रा कम से कम 80 प्रतिशित ना हो(कर अवधि में सकल उत्पाद के घटते कम में 1. अधिकतम मात्रा 3. न्यूनतम मात्रा)</p>	क.सं.	कम्पोजिशन स्कीम का विवरण	कम्पोजिशन कर दर
	1		
	2		
	3		

[illegible]

आर 5 समझौता/आउटपुट कर की गणना	कुल बिक्री (रु)	समझौता/आउटपुट कर (रु)
आर 5.1 1% की दर पर समझौता		
आर 5.2 2% की दर पर समझौता		
आर 5.3 2.5% की दर पर समझौता		
आर 5.4 3% की दर पर समझौता		
आर 5.5 6% की दर पर समझौता		
आर 5.6 5% की दर पर वस्तुएँ कर योग्य (स्क्रेप/पूँजीगत वस्तुओं की बिक्री).		
आर 5.7 12.5% की दर पर वस्तुएँ कर योग्य (स्क्रेप/पूँजीगत वस्तुओं की बिक्री).		
आर 5.8 समायोजन/आउटपुट कर उप योग (आर 5.1 से आर 5.7)		

[illegible]



आर 11 सत्यापन  
 मैं/हम \_\_\_\_\_ एतद्वारा सत्य निष्ठा पूर्वक घोषणा करते हैं कि  
 उपरोक्त सूचना मेरी/हमारी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है और इस में कुछ भी छिपाया नहीं गया  
 है।

अधिकृत हस्ताक्षर कर्ता के हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

पूरा नाम \_\_\_\_\_

पदनाम/स्थिति \_\_\_\_\_

स्थान \_\_\_\_\_

तिथि \_\_\_\_\_

दिन \_\_\_\_\_

महीना \_\_\_\_\_

वर्ष \_\_\_\_\_

आनलाईन रिटर्न भरने के लिए निर्देश :

1. कृपया फॉर्म के सभी स्थान भरें।
2. जो स्थान आपसे संबंधित नहीं है उन को खाली छोड़ दिया जाए।
3. डीवैट नियम, 2005 के नियम 28 के तहत रिटर्न निर्धारित अवधि के भीतर, विभागीय वेब साइट पर, इलेक्ट्रॉनिक रूप में दर्ज किया जाना चाहिए।
4. संचारित करें (i) फॉर्म डीवैट-30 और 31 में तिमाही वार और चालान वार खरीद और बिक्री का विवरण दें या (ii) इस फॉर्म के साथ संलग्न अनुलग्नक 2ए और 2बी में बिक्री और डीलर वार सारांश भरें। अप्रजिकृत डीलरों द्वारा/को की गई खरीद/बिक्री डेटा के एक तिमाही के लिए एक पंक्ति में प्रवेश किया जा सकता है। लेकिन, छठी अनुसूची में विनिर्दिष्ट दूतावासों/ संगठनों को बेची गई वस्तुओं की बिक्री विस्तार वार चालान वार दूतावासों/संगठनों वार सूचित किया जाना चाहिए।
5. धन की वापसी के मामले में, इस फॉर्म के साथ संलग्न अनुलग्नक 2ई में जानकारी ऑनलाईन रिटर्न दाखिल करने के समय में, विभागीय वेबसाइट पर, इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रस्तुत किया जाना है।

परिशिष्ट 2 क  
 (कृपया निर्देश 4 देखें)  
 खरीद/इन्वार्ड ब्रांच रजिस्टर का संक्षेप  
 (तिमाहीवार)

(रिटर्न के साथ भरा जायेगा)

टिन \_\_\_\_\_ व्यापारी का नाम \_\_\_\_\_  
 पता \_\_\_\_\_ की अवधि \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ में खरीद

खरीद का संक्षेप (डीवैट 30 के अनुसार)

(राशि रुपये में)

क. सं.	तिमाही व वर्ष	विक्रेता का टिन	विक्रेता का नाम	डी वैट एक्ट के अंतर्गत कर की दर और अगर उप-ठेकेदार द्वारा काम कराया गया तो लागू होने वाली समझौता दर
1	2	3	4	5

दिल्ली में खरीद की कुल राशि					
टैक्स इनवाइस/रिटेल इनवाइस के आधार पर खरीद	छूट प्राप्त सामान	गैर पंजीकृत व्यापारी से खरीद	डप सविदाकार द्वारा निष्पादित कार्य सविदा		कर सहित कुल खरीद
			संघटन पद्धति में उप ठेकेदार (सी.सी.01)	अधिनियम की धारा 3 के अनुसार कर भुगतान करने वाला उपठेकेदार	
8	7	8	9(क)	9(ख)	10

अंतर्राज्यीय खरीद/स्टॉक स्थानांतरण				
फार्म सी के आधार पर खरीद	फार्म एफ के आधार पर इन्वार्ड स्टॉक अंतरण	भारत के बाहर से आयात	अन्य (फार्मों के आधार पर नहीं)	कुल कर सहित
11	12	13	14	15

टीप :- अपंजीकृत व्यापारियों के संबंध में विवरण प्रत्येक तिमाही के लिए समेकित कर दर अनुसार विवरण ।

व्यापारी के हस्ताक्षर/अधिकृत हस्ताक्षरी

अनुलग्नक- 2 ख  
(अनुदेश 4 देखिए)  
बिक्री रजिस्टर का सारांश  
(तिमाहीवार)  
(रिटर्न के साथ भरा जाए)

टिन : डीलर का नाम :  
पता : कर अवधि..... से ..... तक बिक्री के लिए

बिक्रियों का सारांश (डीवैट 31 के अनुसार)

(समस्त राशि रुपये में)

समझौता लेन-देन/निर्धारित कार्य सविदा का विवरण									
क. सं.	तिमाही व वर्ष	केता का टिन	केता का नाम	ठेके की श्रेणी (यदि लागू हो)	समझौता की दर	सकल बिक्री	समझौता कर	प्रपत्र डीवैट 43 आई डी संख्या	दिना क
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

स्कैप/पूजीगत माल आदि की स्थानीय बिक्री (समझौता योजना की रीति का कम सं. 9 देखिए)		
बिक्री मूल्य (वैट को छोड़कर)	कर की दर	आउटपुट कर
11	12	13

व्यापारी के हस्ताक्षर/अधिकृत हस्ताक्षरी

9- फार्म डी वैंट 30 का संशोधन :- मूल नियमावली के साथ संलग्न फार्म डी वैंट -30 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

व्यापार एवं कर विभाग  
रा. रा. क्षेत्र दिल्ली सरकार  
फॉर्म डीटैट 30  
[नियम 42 देखें]  
खरीद/इनवार्ड शखा अंतरण रजिस्टर का नमूना

पंजीकरण संख्या : \_\_\_\_\_  
 व्यापारी का नाम : \_\_\_\_\_  
 पता : \_\_\_\_\_

खरीद के लिए कर की अवधि

से(दिन/माह/वर्ष)\_\_\_\_\_तक(दिन/माह/वर्ष)

खरीद के लिए विवरण

लेखा पद्धति: नगद / सामग्री

(सारी राशि रुपये में)

खरीद की तिथि	बिल नं० / डिलीवरी नोट	चिकेता दिन	चिकेता का नाम	दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम के अंतर्गत कर का मूल्य (सभी कॉलम के लिए)
1	2	3	4	5

[illegible]

इनपुट कर के क्रेडिट के लिए अनुपयुक्त स्थानीय खरीद									
अपजीकृत व्यापारियों से खरीद	सम्पन्नता व्यापारियों से खरीद	नॉन क्रेडिटेबल वस्तुओं की खरीद (अनुसूची-VII)	कर युक्त वस्तुओं की खरीद (छूट प्राप्त)	कार्य सविदा से संबंधित श्रम और सेवाओं की खरीद	टैक्स इन्वाइसेस के प्रति खरीद, आईटीसी के लिए मान्य नहीं *	रिटायर्ड इन्वाइस पर की गई खरीद	दिल्ली में डीज़ल और तैल की ऐसी क्रय जिसपर विभिन्न तेल विपणन कम्पनियों के द्वारा पहले ही कर लगाया जा चुका है	एच फार्म के प्रति दिल्ली के व्यापारियों से खरीद	पूँजीगत वस्तुओं की खरीद (नॉन क्रेडिटेबल वस्तुओं के उत्पादन में प्रयोग के लिए)
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25

इनपुट कर के क्रेडिट के लिए उपयुक्त स्थानीय खरीद					
पूँजीगत वस्तुएँ		अन्य (वस्तुएँ)		अन्य (कार्य सविदा)	
खरीद मूल्य (कर रहित)	चुकाया गया इनपुट कर	खरीद मूल्य (कर रहित)	चुकाया गया इनपुट कर	खरीद मूल्य (कर रहित)	चुकाया गया इनपुट कर
26	27	28	29	30	31

टीप :- अपंजीकृत व्यापारियों के संबंध में विवरण प्रत्येक तिमाही के लिए समेकित कर दर अनुसार विवरण।

\* कॉलम नंबर 21 में, डीईपीबी (स्वयं के उपयोग के लिए), उपभोग्य सामग्री व कच्चा माल जो कि कर मुक्त वस्तुओं के उत्पादन के लिए उपयोग की गई हैं, समाविष्ट होंगे।

व्यापारी/प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

10 फार्म डी वेट 30ए का संशोधन :- मूल नियमावली के साथ संलग्न फार्म डी वेट -30ए के स्थान पर निम्न लिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्

व्यापार एवं कर विभाग  
रा. रा. क्षेत्र दिल्ली सरकार  
फॉर्म डी वेट 30 ए  
[नियम 42 देखें]

स्थानीय खरीद से संबंधित डेबिट/क्रेडिट नोट्स का रजिस्टर

पंजीकरण संख्या : \_\_\_\_\_  
व्यापारी का नाम : \_\_\_\_\_  
पता : \_\_\_\_\_

कर की अवधि : से(दिन/माह/वर्ष) \_\_\_\_\_ तक(दिन/माह/वर्ष)

लेखा पद्धति: नगद / सामग्री

(सारी राशि रुपये में)

डेबिट /क्रेडिट नोट/ वाउचर को जारी करने की तिथि	विक्रेता का टिन	विक्रेता का नाम	डेबिट /क्रेडिट नोट/ वाउचर की संख्या	डेबिट /क्रेडिट नोट से प्रभावित संबंधित कर इनवाइस/खुदरा इनवाइस की तारीख	डेबिट /क्रेडिट नोट/ वाउचर की राशि	आईटीसी में वृद्धि (डेबिट नोट)	आईटीसी में वृद्धि (क्रेडिट नोट)
1	2	3	4	5	6	7	8

व्यापारी/प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

11. फार्म डी वेट 31 का संशोधन :- मूल नियमावली के साथ संलग्न फार्म डी वेट -31 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्

व्यापार एवं कर विभाग  
रा. रा. क्षेत्र दिल्ली सरकार  
फॉर्म डी वेट 31  
[नियम 42 देखें]

आउटवार्ड शाखा अंतरण/बिक्री का नमूना

पंजीकरण संख्या : \_\_\_\_\_  
व्यापारी का नाम : \_\_\_\_\_  
पता : \_\_\_\_\_



**बिक्री के लिए कर की अवधि**

से(दिन/माह/वर्ष) \_\_\_\_\_ तक(दिन/माह/वर्ष)

**बिक्री के लिए विवरण**

लेखा पद्धति: नगद / सावधि

(सारी राशि रुपये में)

बिक्री की तिथि/अंतरण	बिल नं०/दिल्लीवरी नोट नं०	विक्रेता का टिन/दूतावास/संगठन का पंजीकरण नं०	विक्रेता/दूतावास/संगठन का नाम	दिल्ली मूल्य संचर्चित कर अधिनियम, 2004 के अंतर्गत मद पर कर की दर (सभी कॉलमों के लिए)
1	2	3	4	5

**अंतर्राज्यीय बिक्री/स्टॉक अंतरण/निर्यात (कटौतियाँ) का टर्नओवर**

निर्यात	खुला सागर बिक्री	एफ फार्म के प्रति स्वयं का माल जॉब वर्क के लिए अंतरण	एफ फार्म के प्रति अन्य व्यापारियों से जाब वर्क के लिए माल का अंतरण	एफ फार्म के प्रति माल का अंतरण (शाखा) -आउटवार्ड	एफ फार्म के प्रति माल अंतरण (प्रेषित) - आउटवार्ड	एच फार्म के प्रति बिक्री	आई फार्म के प्रति बिक्री	जे फार्म के प्रति बिक्री	सी+ई-1/ई-11 फार्म के प्रति बिक्री	छूट प्राप्त वस्तुओं की बिक्री (अनुसूची-1)	घारा 8 (4) के साथ एडिड (घारा 9(1)) के परन्तुक के अंतर्गत बिक्री	दिल्ली के बाहर वस्तुओं की बिक्री (घारा 4)
6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18

अन्तर्राज्यीय बिक्री का टर्नओवर (कर योग्य)					स्थानीय बिक्री का टर्नओवर						
कर की दर(केन्द्रीय बिक्री कर)	सी फार्म के प्रति बिक्री पुँजीगत वस्तुओं को छोड़कर	सी फार्म के प्रति पुँजीगत वस्तुओं की बिक्री	बिना फार्म बिक्री	कर (केन्द्रीय बिक्री कर)	विक्रय मूल्य (वस्तुएँ) वैट रहित)	विक्रय मूल्य (कार्य सविदा ) वैट रहित)	आउटपुट कर	सिविल कार्य सविदा में श्रम, सेवाएँ और अन्य तरह के चार्जेंस	सिविल कार्य सविदा में जमीन की कीमत से संबंधित चार्जेंस, यदि हो तो	दिल्ली के अंदर फार्म 'एच' पर बिक्री	दिल्ली में डीजल और पेट्रोल की ऐसी बिक्री जिसपर विभिन्न तेल विपणन कंपनियों के द्वारा पहले ही कर लगाया जा चुका है
19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30

टीप :- अपंजीकृत व्यापारियों के संबंध में विवरण प्रत्येक तिमाही के लिए समेकित कर दर अनुसार विवरण।

छठी अनुसूची में विनिर्दिष्ट दूतावासों/संगठनों से संबंधित विवरण संस्थान-वार सूचित किया जाएगा।

व्यापारी/प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

12. फॉर्म डी वेट 31ए का संशोधन :- मूल नियमावली के साथ संलग्न फॉर्म डी वेट -31ए के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्

व्यापार एवं कर विभाग  
रा. रा. क्षेत्र दिल्ली सरकार  
फॉर्म डीवेट 31 ए  
[नियम 42 देखें]

### स्थानीय बिक्री से संबंधित डेबिट/क्रेडिट नोट्स रजिस्टर का नमूना

पंजीकरण संख्या : \_\_\_\_\_  
व्यापारी का नाम : \_\_\_\_\_  
पता : \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

कर की अवधि : से(दिन/माह/वर्ष) \_\_\_\_\_ तक(दिन/माह/वर्ष)

लेखा पद्धति: नगद / सामग्री

(सारी राशि रुपये में)

डेबिट/क्रेडिट नोट/वाउचर जारी करने की तिथि	केता का दिन	केता का नाम	डेबिट/क्रेडिट नोट/वाउचर संख्या	डेबिट /क्रेडिट नोट से प्रभावित संबंधित कर इनवाइस/खुदरा इनवाइस की तारीख	डेबिट /क्रेडिट नोट/ वाउचर की राशि	आईटीसी में वृद्धि (डेबिट नोट)	आईटीसी में वृद्धि (क्रेडिट नोट)
1	2	3	4	5	6	7	8

व्यापारी/प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर”

[illegible]

## 6 सत्यापन

मैं/ हम ..... इसके द्वारा निष्ठापूर्वक घोषणा करता हूँ करते हैं कि इसमें उक्त दी गई जानकारी मेरी हमारी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर .....

पूरा नाम प्रथम नाम मध्यम नाम उपनाम .....

पदनाम .....

स्थान .....

दिनांक .....

दिन माह वर्ष

नोट:- जहाँ आवश्यकता हो वहाँ अलग शीट का प्रयोग करें।

संलग्न:- टीडीएस सर्टिफिकेट व टैक्स जमा करने का चालान।

## FINANCE (REVENUE-I) DEPARTMENT

## NOTIFICATIONS

Delhi, the 20th September, 2013

**No. F. 3(16)/Fin. (Rev.-I)/2013-14/ds-VI/785.**—In exercise of the powers conferred by Section 102 of the Delhi Value Added Tax, 2004 (Delhi Act 3 of 2005), the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi, hereby, makes the following rules further to amend the Delhi Value Added Tax Rules, 2005, namely :—

## RULES

1. **Short title and commencement.**— (1) These rules may be called the Delhi Value Added Tax (Third Amendment) Rules, 2013  
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Delhi Gazette.
2. **Amendment of rule 3.**— In the Delhi Value Added Tax Rules, 2005 (hereinafter referred to as the principal Rules), for rule 3, the following shall be substituted, namely:—

## “3. Works Contract

(1) In the case of turnover arising from the execution of a works contract, the amount included in taxable turnover is the total consideration paid or payable to the dealer under the contract and exclude —

- (i) the charges towards labour, services and other like charges; and
- (ii) the charges towards cost of land, if any, in civil works contracts,

subject to the dealer's maintaining proper records such as invoice, voucher, challan or any other document evidencing payment of above referred charges to the satisfaction of the Commissioner.

*Explanation.* — The term “civil works contracts” for the purpose of this rule shall include construction of building or complexes - residential or commercial, bridges, flyovers, dams, barriers, canals, diversions, other works of similar nature, and the collaboration agreements or joint development agreements or similar other agreements/arrangements between the land-owner(s) and the contractor(s)/builder(s)/ developers/ collaborators/ similar other persons by whatever name called for construction of complex or property.

(1A) In case the civil works contract mentioned in sub-rule (1) are of the nature wherein the agreement executed between the land owner(s) and contractor(s) or similar other agreements/ arrangements is of the nature of collaboration or joint development where the contractor(s) constructs the building/units and consideration for the construction is given by the land owner in the form of share in the land with or without additional money exchange, the value of works contract carried out by the contractor(s) for the land owner shall be highest of the following amounts:

- (i) Actual value of construction, including profit, transferred by the contractor to the land-owner in accordance with the books of accounts maintained by the contractor.
- (ii) Where proportionate land is transferred by the land-owner to the contractor by executing a separate conveyance/sale deed, the value stated in the deed for the purpose of payment of stamp duty as reduced by consideration paid by the contractor to the land owner through account payee cheque/ draft/ pay order/ electronic transfer, if any.
- (iii) On the basis of circle rate of proportionate area of land transferred by the land-owner to the contractor in accordance with the notification under Delhi (Prevention of Under Valuation of Instruments) Rules, 2007 as amended from time to time (hereinafter referred as "circle rates") prevailing at the time of execution of agreement between them, as reduced by the consideration paid by contractor to the land-owner through account payee cheque/draft/pay order/electronic transfer, if any.

Provided that where separate circle rates for land and construction have not been notified in respect of certain buildings or properties, then circle rate for land and construction prevailing in that locality for other buildings or properties, in respect of which separate circle rates have been notified, shall be taken for the purpose of determination of value under this sub-rule.

Provided further that the value of works contract under this sub-rule shall not be less than the circle rate of construction applicable on the date on which agreement between the land-owner and the contractor for the construction of property was executed.

*Explanations:-*

- 1.- The term "contractor" for the purpose of this sub-rule shall include the builders, developers, collaborators and similar other persons by whatever name called.
- 2.- The taxable turnover in relation to contractor's share of construction for activity carried on by him for the intended purchaser shall be calculated separately as per sub rule (1) of this rule.

(1B) In case of works contract falling under sub-rule (1A), tax shall be payable at the time of incorporation of goods in the execution of works contract by the contractor.

- (2) For the purpose of sub-rule (1), the charges towards labour, services and other like charges shall include-
- (i) labour charges for execution of works;
  - (ii) charges for planning and architects fees;
  - (iii) charges for obtaining on hire or otherwise machinery and tools used for the execution of the works contract;
  - (iv) cost of consumables such as water, electricity, fuel, etc. used in the execution of the works contract, the property in which is not transferred in the course of execution of a works contract;
  - (v) cost of establishment of the contractor including cost of marketing, finance expenses and securities deposits to the extent it is relatable to supply of labour and services;
  - (vi) other similar expenses relatable to supply of labour and services;
  - (vii) profits earned by the contractor to the extent it is relatable to supply of labour and services subject to furnishing of a profit and loss account of the works sites:

PROVIDED that where amount of charges towards labour, services and other like charges are not ascertainable from the books of accounts of the dealer, the amount of such charges shall be calculated at the percentages specified in the following table :-

**TABLE: PERCENTAGES FOR WORKS CONTRACTS**

Sl. No.	Type of contract	Labour, service and other like charges are percentage of total value of the contract
1	Fabrication and installation of plant and machinery.	Twenty five percent
2	Fabrication and erection of structural works of iron and steel including fabrication, supply and erection of iron trusses, purloins and the like.	Fifteen percent
3	Fabrication and installation of cranes and hoists.	Fifteen percent
4	Fabrication and installation of elevators (lifts) and escalators.	Fifteen percent
5	Fabrication and installation of rolling shutters and collapsible gates.	Fifteen percent
6	Civil works.	Twenty five percent*
7	Installation of doors, doorframes, windows, frames and grills.	Twenty percent
8	Supply and fixing of tiles, slabs, stones and sheets.	Twenty percent

Sl. No.	Type of contract	Labour, service and other like charges are percentage of total value of the contract
9	Supply and installation of air conditioners and air coolers.	Fifteen percent
10	Supply and installation of air conditioning equipment including deep freezers, cold storage plants, humidification plants and de-humidors.	Fifteen percent
11	Supply and fitting of electrical goods, supply and installation of electrical equipments including transformers.	Fifteen percent
12	Supply and fixing of furniture and fixtures, partitions including contracts for interior decoration and false ceiling.	Twenty percent
13	Construction of Railway coaches and wagons on under carriages supplied by Railway.	Twenty percent
14	Construction or mounting of bodies of motor vehicle and construction of trailers.	Twenty percent
15	Sanitary fitting for plumbing and drainage or sewerage.	Twenty five percent
16	Laying underground surface pipelines, cables or conduits.	Thirty percent
17	Dyeing and printing of textiles.	Thirty percent
18	Supply and erection of weighing machines and weighbridges.	Fifteen percent
19	Painting, polishing and white washing.	Thirty percent
20	Book-binding	Fifty Percent
21	Textile processing such as dyeing, fabrication, tailoring, embroidery and other similar activities where textile is supplied by the contractee	Fifty percent
22	Electro plating, electro galvanizing, anodizing, powder coating and other similar activities	Fifty percent
23	Re-treading of old tyres	Forty Percent
24	All other contracts not specified from Sl. No. 1 to 23 above.	Twenty percent

\* Twenty five percent of total value of the contract, excluding the cost of land transferred, if any, as determined under this Rule.

(3) For the purpose of sub-rule (1), the cost of land, if any, in a civil works contract carried on by the builder for the intended purchaser, shall be determined in the following manner:

(a) Where separate conveyance/sale deed of the land has been executed between the builder and the intended purchaser, the consideration amount of land stated in that deed;

(b) Where separate conveyance/sale deed of the land has not been executed for transfer of land between the builder and the intended purchaser, then the value of land in the value of composite works contract inclusive of land may be arrived at on any of the following basis:-

(i) Where proportionate land is transferred by the land-owner to the builder by executing a conveyance/sale deed: On the basis of rate of land arrived at from such deed for the purpose of payment of stamp duty.

(ii) Where clause (i) is not applicable, on the basis of rate of land arrived at by adding the amount paid by the builder through account payee cheque/draft/pay order/electronic transfer to the land-owner towards the land rights and value of construction transferred by the builder to the land-owner determined as per sub-rule (1A).

To illustrate, land-owner and builder enter into an agreement, where builder would build four units, which would be shared equally between them. In addition, builder pays Rs.1 crore to the land owner. Total construction cost for four flats is Rs.4 crores. Here, builder transfers the value of construction worth Rs. 2 crores [Rs.4 crores divided by two, since 50% share in the construction is transferred to the land-owner]. In this case, value of land transferred by the land-owner is: Rs.1 crore + Rs.2 crores = Rs.3 crores; and total value of land transferred by the builder to the intended purchasers for his share of the land shall also be Rs.3 crores (Rs. 1.5 crs. per flat if there are two intended purchasers).

(iii) In all other cases where clauses (i) and (ii) are not applicable, the value of land shall be determined on the basis of notified circle rates of land prevailing at the time of execution of agreement between the builder and the intended purchaser.

Provided that where separate circle rates for land and construction have not been notified in respect of certain properties, then circle rate for land and construction prevailing in that locality for other properties in respect of which separate circle rates have been notified, shall be taken for the purpose of determination of value under this sub-rule.

Provided further that where land has been valued at circle rate and the value of conveyance/sale deed with the intended purchaser exceeds the circle rate, then the difference between the two shall be proportionately divided between the value of land and the works contract (comprising material and services).

For example, in case of composite works contract, circle rate of land is Rs.2 crore and circle rate of construction is Rs.1 crore respectively, and the consolidated value of sale deed (inclusive of land and cost of construction) is Rs.3.60 crores. Difference of Rs.0.60 crore shall be divided in the ratio of 2:1; and thus, value of land for the purpose of this sub-rule shall be Rs.2.40 crores.



*Explanation 1:* The term "Builder" for the purpose of this sub-rule means the person who undertakes the construction of property, either as owner of the land or under an agreement of power of attorney with the land owner or under some other arrangement, and transfers the property to some other person before completion of construction for a consideration, which may be received by the builder either as a composite sum or under separate agreements for land and construction. The term "builder" shall also include the land-owner(s) who transfers the property to the intended purchaser before completion of construction.

*Explanation 2:* The term "intended purchaser" for the purpose of this sub-rule means the person who agrees to buy the property before completion of construction and pays the consideration, in full or part, before such completion.

*Explanation 3:* For the purpose of this sub-rule, construction shall be deemed to be completed at the time of issuance of completion certificate by the competent authority, or at the time and in the manner notified by the Government for this purpose.

(c) In the case of works contract of civil nature where the payment of charges towards the cost of land, if any, is not ascertainable in accordance with the preceding clauses of this sub-rule, the amount of such charges shall be calculated @ 30% of the total value of the contract except in the case of construction of commercial buildings or complexes where it shall be calculated @ 50% of the total value of the contract.

(d) In the case of works contract of civil nature where only a part of the total constructed area is being transferred, the charges towards the cost of land shall be calculated on a pro-rata basis through the following formula:

**Proportionate super area  $\times$  Value of land as determined in this sub-rule**

**Total plot area  $\times$  Floor Area Ratio**

*Explanation 1.-* Proportionate super area for the purpose of this clause means the covered area booked for transfer and the proportionate common constructed area attributable to it.

*Explanation 2.-* Floor Area Ratio = Total constructed area/ Total plot Area

(4) In the case of works contract of civil nature where only a part of total constructed area is being transferred, the deduction towards labour, services and other like charges mentioned in sub-rule (2) and input tax credit under section 9 shall be calculated on a pro-rata basis.

(5) Where an agreement is executed by the builder with the intended purchaser before completion of construction as referred in sub-rule (3),

(i) total value of agreement, as reduced by cost of land, and amount of labour, services and like charges, determined in accordance with this Rule, shall be deemed to be taxable turnover of sale;

(ii) tax shall be payable at the time of receipt of consideration, in whatever form or manner, from the intended purchaser in relation to (i) above;

(iii) the builder shall be eligible to deduct labour, services, other like charges in relation to (i) above in the tax period when output tax becomes payable; and

(iv) the builder may claim input tax credit under section 9 in relation to turnover of sale stated in (i) above in that tax period on the basis of separate books of accounts maintained for that property."

3. **Insertion of new rule 44A.-** In the principal Rules, after rule 44, the following shall be inserted, namely:-

"44A. A retail invoice issued under sub-section (4) of Section 50 of the Act by a dealer, who has elected to pay tax under section 16 of the Act (including schemes notified there under), besides, containing particulars specified in sub-section (5) of the said section, shall also contain the words 'Composition Dealer (Not eligible to charge VAT on Bill Amount)' at the top of the invoice."

4. **Amendment of rule 22.-** In the principal Rules, in rule 22, for sub-rule (2), the following shall be substituted, namely:-

(2) "A person required to pay security under sub-section 4 of section 60 for de-sealing or release of any premises including the office, shop, godown, box, locker, safe, almirah or other receptacle, shall furnish security of a sum equal to one per cent of the maximum of GTO of last three years or a sum equal to five lakh rupees, whichever is higher."

5. **Amendment of rule 23.-** In the principal Rules, in rule 23, after sub-rule (2), the following shall be inserted, namely:-

"(2A) The security required to be furnished by a person under sub-section 4 of section 60, shall be, at least 50% in the form of security specified at sl. no.1 of the 'Table - Forms of Security' below and balance may be in any of the forms of security specified in the said table."

Total A2  
from  
S. aureus



**IF REFUND IS CLAIMED, PROVIDE DETAILS IN THIS BOX (Also fill Annexure-2E)**

IF REFUND IS CLAIMED, PROVIDE DETAILS IN THIS BOX (Also fill Annexure-2E)	
R10 Details of Bank Account	
R10.1 Account No.	
R10.2 Account type (Saving/Current etc.)	
R10.3 MICR No.	
R10.4	
(a) Name of Bank	
(b) Branch Name	

R11 Inter-state trade and exports/ Imports	Inter-state Sales/Exports	Inter-state Purchases / Imports
R11.1 Against C Forms (Other than Capital Goods)		
R11.2 Against C+E1/E2 Forms		
R11.3 Inward/outward Stock Transfer ( Branch) against F Forms		
R11.4 Inward/outward Stock Transfer (Consignment) against F Forms		
R11.5 Own goods received/transferred after job work against F Forms		
R11.6 Other dealers goods received/returned after job work against F Forms		
R11.7 Against H Forms (other than Delhi dealers)		
R11.8 Against I Forms		
R11.9 Against J Forms		
R11.10 Exports to / Imports from outside India		
R11.11 Sale of Exempted Goods (Schedule I)		
R11.12 High Sea Sales/Purchases		
R11.13 Sale/Purchases without Forms		
R11.14 Capital goods purchased against C Form		
R11.15 Total		

**R12 Verification**  
I/We \_\_\_\_\_ hereby solemnly affirm and declare that the information given  
hereinabove is true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed there from.

Signature of Authorised Signatory \_\_\_\_\_

Full Name (first name, middle, surname) \_\_\_\_\_

Designation/Status \_\_\_\_\_

[illegible]

Date					
	Day	Month	Year		

**Instructions for filling Return Form:**

1. Please complete all the applicable fields in the Form.
2. The fields, which are not applicable, may be left blank.
3. Return should be filed electronically, on the departmental website, within the stipulated period as prescribed under rule 28 of the DVAT Rules.
4. Transmit (i) quarter wise and invoice wise Purchase and Sales data maintained in Form DVAT-30 & 31 OR (ii) quarter wise and dealer wise summary of purchase and sales in Annexure-2A & 2B appended to this Form. Purchase/Sale made from un-registered dealers may be entered in one row for a quarter. However, sale detail of goods sold to Embassies/Organizations specified in Sixth Schedule should be reported invoice wise in case opted for Form DVAT-30 & 31 or Embassies/Organizations wise, if opted for Annexure 2A & 2B, as the case may be.
5. In case of refund, the information in Annexure -2E appended to this Form should be furnished electronically, on departmental website, at the time of filing online return.
6. All dealers to file tax rate wise details of closing stock in hand as on 31<sup>st</sup> March, with the second quarter return of the following year, in Annexure 1D
7. Transmit the information relating to issue of debit/credit note in Annexure 2C & 2D.

**Annexure -1**

(To be furnished with the return where adjustments in Output Tax or Tax Credits are made)

**A1 Adjustments to Output Tax**

Nature of Adjustment	Rate of tax (1,5,12.5, 20 ) %	Increase in Turnover/ amount involved	Decrease in Turnover/ amount involved	Increase in Output Tax (A)	Decrease in Output Tax (B)
A1.1 Sale cancelled [Section 8(1) (a)]					
A1.2 Nature of sale changed [Section 8(1) (b)]					
A1.3 Change in agreed consideration [Section 8(1) (c)]					
A1.4 Goods sold returned [Section 8(1)(d)]					
A1.5 Bad debts written off [Section 8(1) (e) and Rule 7A]					
A1.6 Bad debts recovered [Rule 7A(3)]					
A1.7 Tax payable on goods held on date of cancellation of registration (Section 23)					
A1.8 Other adjustments, if any (specify)					
<b>Total</b>					
<b>A2 Total net increase / (decrease) in Output Tax (A-B)</b>					

**A3 Adjustments to Tax Credits**

Nature of Adjustment	Rate of tax (1,5,12.5, 20 ) %	Increase in Turnover/ amount involved	Decrease in Turnover/ Amount involved	Increase in Tax Credit (C)	Decrease in Tax Credit (D)
A3.1 Reduction in Input Tax Credit due to sale of goods at price lower than the purchase price [Section 10(5)]					
A3.2 Receipt of debit notes from the seller [Section 10(1)]					
A3.3 Receipt of credit notes from seller [Section 10(1)]					
A3.4 Goods purchased returned or rejected [Section 10(1)]					
A3.5 Change in use of goods, for purposes other than for which credit is allowed [Section 10(2)(a)]					
A3.6 Change in use of goods for purposes for which credit is allowed [Section 10(2)(b)]					
A3.7 Tax credit disallowed in respect of stock transfer out of Delhi [Section 10(3)]					
A3.8 Tax credit for Transitional stock held on 1 <sup>st</sup> April 2005 (Section 14)					
A3.9 Tax credit for purchase of Second-hand goods (Section 15)					
A3.10 Tax credit for goods held on the date of withdrawal from Composition Scheme [Section 16]					
A3.11 Tax credit for trading stock and raw materials held at the time of registration (Section 20)					
A3.12 Tax credit disallowed for goods lost or destroyed (Rule 7)					
A3.13 Tax credit adjustment on sale or stock transfer of capital goods [Section 9(9)(a)]					
A3.14 Second or Third installment of balance tax credit on capital goods. [Section 9(9)(a)]					
A3.15 Second, Third or Fourth installment of balance tax credit on					

As on date, total tax liability on account of non-submission of 'H' Form(s) for penultimate exports made to exporter(s) in Delhi, pertaining to previous tax periods, as per details below:			
Quarter	Sale Amount	Applicable Rate of Tax	Tax Amount

Detail of 'H' Forms pertaining to previous tax period to be filed along with DVAT-56:			
Quarter	Sale Amount	Applicable Rate of Tax	Tax Amount

**Tax rate wise details of Stock in hand as on 31<sup>st</sup> March (Year)**  
**(to be filled with 2nd quarter return)**

(to be filed with 2nd quarter return)	
Rate	Amount
0%	
1%	
5%	
12.5%	
20%	
<b>Total</b>	

(To be filed along with return)

Name of the

Purchase for the Tax Period: From \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_

### Summary of Purchase (As per DVAT-30)

(All amounts in Rupees)				
Sr. No.	Quarter & Year	Seller's TIN	Seller's Name	Rate of Tax under DVAT Act (for all columns)
1	2	3	4	5

[illegible]



Local Purchases not eligible for credit of input tax									
Purchase From Unregistered dealer	Purchases from Composition Dealer	Purchase of Non-creditable goods (Schedule-VII)	Purchase of Tax free goods	Purchase of Tax of labour & services related to Works Contract	Purchase against tax invoices not eligible for ITC *	Purchase of Goods against retail invoices	Purchase of Petrol & Diesel from Oil Marketing Companies in Delhi	Purchase from Delhi dealers against Form H	Purchase of Capital Goods (Used for manufacturing of non-creditable goods)
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25

Local Purchases eligible to credit of input tax					
Capital Goods		Others (Goods)		Others (Works Contract)	
Purchase Amount (excluding VAT)	Input Tax Paid	Purchase Amount (excluding VAT)	Input Tax Paid	Purchase Amount (excluding VAT)	Input Tax Paid
26	27	28	29	30	31

Note: - Data in respect of unregistered dealers may be consolidated tax rate wise for each Quarter.

\* will include purchase of DEPB (for self-consumption), consumables goods & raw material used for manufacturing of tax free goods in Column No.21.

Signature of Dealer /  
Authorized Signatory

### Annexure – 2B

(See instruction 6)

#### SUMMARY OF SALE / OUTWARD BRANCH TRANSFER REGISTER

(Quarter wise)

(To be filed along with return)

TIN:

Name of the Dealer:

Address:

Sale for the Tax Period: From \_\_\_\_ to \_\_\_\_

#### Summary of Sales (As per DVAT-31)

(All amounts in Rupees)

Sr No.	Quarter & Year	Buyer's TIN / Embassy/Organisation Regn. No.	Buyer/Embassy/Organisation Name	Tax Rate (DVAT) (for all columns)
1	2	3	4	5

Turnover of Inter-State Sale/Stock Transfer / Export (Deductions)												
Export	High Sea Sale	Own goods transferred for Job Work against F-Form	Other dealers' goods returned after Job work against F-Form	Stock transfer (Branch ) against F- Form	Stock transfer (Consignment) against F- Form	Sale against H-Form	Sale against I-Form	Sale against J-Form	Sale against C+E-I/E-II	Sale of Exempted Goods [Sch. I]	Sales covered under proviso to [Sec. 9(1)] Read with Sec. 8(4)	Sales of Goods Outside Delhi (Sec. 4)
6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18

4073 DG/13-6

Turnover of Inter-State Sale (Taxable)					Turnover of Local Sale						
Rate of Tax (CST)	Sale against C-Form excluding sale of capital assets	Capital Goods sold against C-Forms	Sale without forms	Tax (CST)	Turnover (Goods) (excluding VAT)	Turnover (WC) (excluding VAT)	Output Tax	Charges towards labour, services and other like charges, in civil works contracts	Charges towards cost of land, if any, in civil works contracts	Sale against H-Form to Delhi dealers	Sale of Petrol/Diesel suffered tax on full sale price at OMC level
19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30

Note:- Data in respect of unregistered dealers may be consolidated tax rate wise for each Quarter. Data of Embassies/Organisations listed in Sixth Schedule shall be provided entity wise.

Signature of Dealer /  
Authorized Signatory

#### Annexure 2C

[See Rule 42]

#### DETAILS OF DEBIT/CREDIT NOTES RELATED TO LOCAL PURCHASE

(INCLUDING GOODS RETURNED / CANCELLED etc.)

(To be filed along with return)

Tax Period : ----- To -----

TIN -

Name -

Sr No.	Seller's TIN	Seller's Name	Receipt of Credit Notes (Decrease)		Receipt of Debit Notes (Increase)	
			Turnover	Tax (ITC)	Turnover	Tax (ITC)
1	2	3	4	5	6	7
Total						

Note -- Seller-wise Credit / Debit notes (bulk /invoice wise) details are to be filled. The date of issue of Credit/Debit notes must fall in the quarter under report.

#### Annexure 2D

[See Rule 42]

#### DETAILS OF DEBIT/CREDIT NOTES RELATED TO LOCAL SALE

(INCLUDING GOODS RETURNED / CANCELLED etc.)

(To be filed along with return)

Tax Period : ----- To -----



	received?	
	c) Are you willing to surrender proportionate refund against statutory form yet to be received?	Yes <input type="checkbox"/> No <input type="checkbox"/>

### 8. Amendment in Form DVAT-17

In the principal Rules, in forms appended thereto, for Form DVAT-17, the following shall be substituted, namely:-

“ Department of Trade and Taxes  
Government of NCT of Delhi

#### Form DVAT 17

[See Rule 28]

### Composition Tax Return Form under the Delhi Value Added Tax Act, 2004

<b>R1 Tax Period</b>	<b>From</b>			/			/			<b>To</b>			/		
		dd			mm						dd			mm	yy
<b>R2.1 TIN</b>															
<b>R2.2 Full Name of Dealer</b>															
<b>R2.3 Address</b>															
<b>R2.4 Mobile No.</b>															

### PART A – For Composition Dealers other than Works Contractors

<b>R3 Description of top categories of goods dealt in (In order of volume of turnover for the tax period 1-highest volume to 3-lowest volume)</b>	<b>Sl. No.</b>	<b>Description of Goods</b>	<b>Commodity Code</b>
	1		
	2		
	3		
<b>R4 Gross turnover</b>			
<b>R5 Computation of composition/output tax</b>	<b>Turnover (Rs.)</b>	<b>Composition/output tax (Rs.)</b>	
<b>R5.1 Composition at 0.1%</b>			
<b>R5.2 Composition at 1%</b>			
<b>R5.3 composition / output Tax</b>			
<b>Sub Total (R5.1+ R5.2)</b>			
<b>R5.4 Balance carried forward from previous tax period</b>			
<b>R5.5 Net Tax [R5.3 – R5.4]</b>			
<b>R5.6 Interest, if payable</b>			
<b>R5.7 Penalty, if payable</b>			
<b>R5.8 Balance Payable (R5.5 + R5.6 + R5.7)</b>			
<b>R5.9 Less : Amount deposited by the dealer (attach proof of payment with Form DVAT-56)</b>			
<b>S. No.</b>	<b>Date of deposit</b>	<b>Challan No.</b>	<b>Name of Bank and Branch</b>
			<b>Amount</b>

R3 Description of top categories of works contract you deal in having different composition rates or till the	Sl. No.	Description of Composition Scheme	Composition Tax Rate
---	---------	-----------------------------------	----------------------

aggregate of sale volume reaches at least 80% (In order of volume of turnover for the tax period 1-highest volume to 3-lowest volume)	1			
	2			
	3			
<b>R4 Gross turnover</b>				
<b>R5 Computation of composition /output tax</b>	<b>Turnover (Rs.)</b>			
	<b>Composition/output tax (Rs.)</b>			
<b>R5.1 Composition at 1%</b>				
<b>R5.2 Composition at 2 %</b>				
<b>R5.3 Composition at 2.5 %</b>				
<b>R5.4 Composition at 3 %</b>				
<b>R5.5 Composition at 6 %</b>				
<b>R5.6 Goods Taxable at 5% (sale of scrap/capital assets etc).</b>				
<b>R5.7 Goods Taxable at 12.5% (sale of scrap/capital assets etc).</b>				
<b>R5.8 composition / output Tax Sub Total (R5.1 to R5.7)</b>				

<b>R5.9 Amount of tax computed on the turnover mentioned in CC-01, at the lesser of the composition rates opted by the contractor or the sub-contractor.</b>				
<b>R5.10 Balance carried forward from previous tax period</b>				
<b>R5.11 Less : Tax deducted at source (attach TDS certificates (downloaded from website) with Form DVAT 56)</b>				
<b>Sl. No.</b>	<b>Form DVAT-43 ID No.</b>	<b>Date</b>	<b>Amount</b>	
<b>R5.12 Net Tax [R5.8 - (R5.9 + R5.10+R5.11)]</b>				
<b>R5.13 Interest, if payable</b>				
<b>R5.14 Penalty, if payable</b>				
<b>R5.15 Balance Payable (R5.12 + R5.13 + R5.14)</b>				
<b>R5.16 Less : Amount deposited by the dealer (attach proof of payment with Form DVAT-56)</b>				
<b>S.No</b>	<b>Date of deposit</b>	<b>Challan No.</b>	<b>Name of Bank and Branch</b>	<b>Amount</b>
<b>R6 Net Balance* (R5.15- R5.16)</b>				

\* The net balance should not be positive as the amount due has to be deposited before filing the return.

<b>IF THE NET BALANCE ON LINE R6 IS NEGATIVE, PROVIDE DETAILS IN THIS BOX</b>				
<b>R7 Balance brought forward from line R6 (Positive Value of R6)</b>				
<b>R7.1 Refund Claimed</b>				
<b>R7.2 Balance carried forward to next tax period</b>				

<b>IF REFUND IS CLAIMED, PROVIDE DETAILS IN THIS BOX</b>	
<b>R8 Details of Bank Account</b>	
<b>R8.1 Account No.</b>	

(All amounts in Rupees)

Note:- Data in respect of unregistered dealers may be consolidated tax rate wise for each quarter.

Signature of Dealer /  
Authorized Signatory

TIN: \_\_\_\_\_ Name of the Dealer: \_\_\_\_\_  
Address: \_\_\_\_\_ Sale for the tax period: From \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_

**Summary of Sales (As per DVAT-31)**

(All amounts in Rupees)

[illegible]



Local Sale of Scrap/Capital Goods etc. (See sl. no.9 of modalities of composition scheme)		
Sale Price (Excluding VAT)	Rate of Tax	Output Tax
11	12	13

Signature of Dealer/  
Authorised Signatory

**9. Amendment of Form DVAT 30.-** In the principal Rules, in forms appended thereto, for Form DVAT 30, the following shall be substituted, namely:-

Department of Value Added Tax  
Government of NCT of Delhi  
**Form DVAT 30**

[See Rule 42]

**Specimen of Purchase / inward Branch transfer Register**

Registration Number : \_\_\_\_\_  
Name of dealer : \_\_\_\_\_  
Address : \_\_\_\_\_

Purchases for the tax period

From(dd/mm/yy) \_\_\_\_\_ To(dd/mm/yy) \_\_\_\_\_

Method of accounting: Cash / Accrual

Details of Purchases

(All amounts in Rupees)

Date of Purchase	Invoice No./Delivery Note	Seller's TIN	Seller's Name	Rate of Tax under DVAT Act (for all columns)
1	2	3	4	5

Inter-State Purchase/Stock Transfer/Import not eligible for credit of input tax									
Import from Outside India	High Sea Purchase	Capital Goods purchased against C-Forms	Goods (Other than capital goods) purchased against C-Forms	Purchase against H-Form (other than Delhi dealers)	Purchases without Forms	Inward Stock Transfer (Branch) against F-Form	Inward Stock Transfer (Consignments) against F-Form	Own goods received back after job work against F-Form	Other dealers goods received for job work against F-Form
6	7	8	9	10	11	12	13	14	15

Local Purchases not eligible for credit of input tax									
Purchase From Unregistered dealer	Purchases from Composition Dealer	Purchase of Non-creditable goods (Schedule-VII)	Purchase of Tax free goods	Purchase of labour & services related to Works Contract	Purchase against tax invoices not eligible for ITC *	Purchase of Goods against retail invoices	Purchase of Petrol & Diesel from Oil Marketing Companies in Delhi	Purchase from Delhi dealers against Form H	Purchase of Capital Goods (Used for manufacturing of non-creditable goods)
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25

Local Purchases eligible to credit of input tax					
Capital Goods		Others (Goods)		Others (Works Contract)	
Purchase Amount (excluding VAT)	Input Tax Paid	Purchase Amount (excluding VAT)	Input Tax Paid	Purchase Amount (excluding VAT)	Input Tax Paid
26	27	28	29	30	31

Note: - Data in respect of unregistered dealers may be consolidated tax rate wise for each Quarter.

\* will include purchase of DEPB (for self-consumption), consumables goods & raw material used for manufacturing of tax free goods in Column No.21.

Signature of Dealer /  
Authorized Signatory

10. Amendment of DVAT-30A - In the principal Rules, in forms appended thereto, for the Form DVAT 30A, the following shall be substituted, namely:-

**“Department of Value Added Tax  
Government of NCT of Delhi  
Form DVAT-30A  
[See Rule 42]**

**Specimen of Debit/Credit Notes related to Local Purchases Register**

Registration Number : \_\_\_\_\_  
Name of dealer : \_\_\_\_\_  
Address : \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

Tax period : From(dd/mm/yy)\_\_\_\_\_To(dd/mm/yy) \_\_\_\_\_

Method of accounting: Cash/Accrual

**Details of Debit/Credit Notes related to purchases**

Date of issue of Debit/ Credit Note/ Voucher	Seller's TIN	Seller's Name	Debit / Credit Note / Voucher Number	Date of relevant Tax Invoice/Retail Invoice affected by the credit/ debit note	Amount of Debit/ Credit Note/ Voucher	Increase in ITC (Debit Note)	Increase in ITC (Credit Note)
1	2	3	4	5	6	7	8

Signature of Dealer/  
Authorised Signatory"

- 11. Amendment of Form DVAT 31.**- In the principal Rules, in forms appended thereto, for Form DVAT 31, the following shall be substituted, namely:-

"Department of Value Added Tax  
Government of NCT of Delhi  
**Form DVAT 31**  
[See Rule 42]

**Specimen of Sales / outward Branch Transfer Register**

Registration Number: \_\_\_\_\_

Name of dealer : \_\_\_\_\_

Address : \_\_\_\_\_

Sales for the tax period

From (dd/mm/yy) \_\_\_\_\_ To (dd/mm/yy) \_\_\_\_\_

Method of accounting: Cash / Accrual

Details of Sales

(All amounts in Rupees)

Date of Sale/Transfer	Invoice No./Delivery Note No.	Buyer's TIN / Embassy/Organisation Regn. No.	Buyer/Embassy/Organisation Name	Tax Rate (DVAT) (for all columns)
1	2	3	4	5

Turnover of Inter-State Sale/Stock Transfer / Export (Deductions)												
Export	High Sea Sale	Own goods transferred for Job Work against F-Form	Other dealers' goods returned after Job work against F-Form	Stock transfer (Branch) against F-Form	Stock transfer (Consignment) against F-Form	Sale against H-Form	Sale against I-Form	Sale against J-Form	Sale against C+E-I/E-II	Sale of Exempted Goods [Sch. I]	Sales covered under proviso to [Sec. 9(1)] Read with Sec. 8(4)]	Sales of Goods Outside Delhi (Sec. 4)
6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18

Turnover of Inter-State Sale (Taxable)					Turnover of Local Sale						
Rate of Tax (CST)	Sale against C-Form excluding sale of capital assets	Capital Goods sold against C-Forms	Sale without forms	Tax (CST )	Turnover (Goods) (excluding VAT)	Turnover (WC) (excluding VAT)	Output Tax	Charges towards labour, services and other like charges, in civil works contracts	Charges towards cost of land, if any, in civil works contracts	Sale against H-Form to Delhi dealers	Sale of Petrol/Diesel suffered tax on full sale price at OMC level
19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30

Signature of Dealer /  
Authorized Signatory"

12. Amendment of DVAT-31A - In the principal Rules, in forms appended thereto, for the Form DVAT 31A, the following shall be substituted, namely:-

**"Department of Value Added Tax  
Government of NCT of Delhi  
Form DVAT-31A  
[See Rule 42]**

**Specimen of Debit/Credit Notes related to Local Sales Register**

Registration Number : \_\_\_\_\_  
Name of dealer : \_\_\_\_\_  
Address : \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

Tax period: From(dd/mm/yy)\_\_\_\_\_To(dd/mm/yy) \_\_\_\_\_



## 6. Verification

I/We \_\_\_\_\_ hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Signature of the person responsible for

Deducting at Source

Name

Designation/Status

Place :

Date :

Note: Use separate sheets wherever necessary.

Enclosed: Copy of the challan for payment of tax deducted and TDS certificates

सं. फा. 3(16)/वित्त (राज.-1)/2013-14/डी.एस.-VI/786.—जबकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उप-राज्यपाल का अभिमत है कि जन-साधारण के हित में ऐसा करना समायोजित है।

अतः, अब दिल्ली मूल्य सवर्धित कर अधिनियम, 2004 (2005 का दिल्ली अधिनियम 3) (इसके बाद से "अधिनियम" के रूप में उल्लेख किया जाएगा), की धारा 107 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद्वारा दिल्ली कर अनुपालन प्राप्ति योजना, 2013 का उपबंध करते हैं, बशर्ते कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट पात्रता शर्तें और अनुपालन प्रक्रियाएं पूरी होती हों, नामतः:-

1. संक्षिप्त शीर्षक, विस्तार एवं प्रारम्भ — 1. इस योजना को दिल्ली कर अनुपालन प्राप्ति योजना 2013 कहा जा सकेगा।
  2. यह सरकारी राजपत्र में उसके प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगा।
2. परिभाषाएं:- (1) इस योजना में, जब तक कि अन्यथा संदर्भ में अपेक्षित न हो, -

- (क) "अधिनियम(मों) का अभिप्राय दिल्ली मूल्य सवर्धित कर अधिनियम, 2004 (2005 का दिल्ली अधिनियम 3) या केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 या तत्कालीन दिल्ली बिक्री कर अधिनियम, 1975 (1975 का 43) या कार्य अनुबंध पर दिल्ली बिक्री कर अधिनियम, 1999 (1999 का दिल्ली अधिनियम 9) या वस्तु उपयोग के अधिकार पर दिल्ली बिक्री कर अधिनियम, 2002 (2002 का दिल्ली अधिनियम 13) या स्थानीय क्षेत्रों में मोटर वाहनों के प्रवेश पर दिल्ली कर अधिनियम, 1994 (1995 का दिल्ली अधिनियम 4) से हैं, जो भी संगत हो;
- (ख) "घोषणा करने वाला" का अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो खण्ड 4 के उप-खण्ड (1) के अंतर्गत घोषणा करता है;

(ग) "विनिर्दिष्ट प्राधिकारी" का अभिप्राय उस अधिकारी (यों) से है जो इस योजना के प्रयोजनार्थ आयुक्त, मूल्य सर्वर्धित कर द्वारा अधिसूचित, संयुक्त आयुक्त के पद से नीचे का अधिकारी न हो;

(घ) "कर देय" का अर्थ है -

(i) 1 अप्रैल, 2005 की प्रारंभिक अवधि से 31 मार्च, 2013 को समाप्त अवधि के लिए अधिनियम या केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 के अंतर्गत पंजीकृत या पंजीकृत किए जाने वाले डीलरों द्वारा देय या चुकाने योग्य कर, जिसका 31 अगस्त, 2013 तक भुगतान न किया गया हो या आंशिक भुगतान किया गया हो तथा इसकी योजना के खण्ड 3 के उप-खण्ड (1), (2) और (3) के अनुसार गणना की गई हो; और

(ii) 1 अप्रैल, 2005 से पूर्व की अवधि के लिए केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 या तत्कालीन दिल्ली बिक्री कर अधिनियम, 1975 (1975 का 43) या कार्य अनुबंध पर दिल्ली बिक्री कर अधिनियम, 1999 (1999 का दिल्ली अधिनियम 9) या वस्तु उपयोग के अधिकार पर दिल्ली बिक्री कर अधिनियम, 2002 (2002 का दिल्ली अधिनियम 13) या स्थानीय क्षेत्रों में मोटर वाहनों के प्रवेश पर दिल्ली कर अधिनियम, 1994 (1995 का दिल्ली अधिनियम 4) के अंतर्गत देय और चुकाने योग्य कर, जिसका 31 अगस्त, 2013 तक भुगतान न किया गया हो या आंशिक रूप से भुगतान किया गया हो तथा इसकी योजना के खण्ड 3 के उप-खण्ड (4) के अनुसार गणना की गई हो; और

(iii) किसी व्यक्ति द्वारा देय और चुकाने योग्य कर, जिसका 1 अप्रैल, 2005 से 31 मार्च, 2013 को समाप्त अवधि के लिए उक्त धारा के प्रावधानों के अनुसार अधिनियम 36क के अंतर्गत स्रोत पर कर की कटौती होनी हो, लेकिन उसने 31 अगस्त, 2013 तक कर का भुगतान न किया हो या आंशिक भुगतान किया हो, और इसकी इस योजना के खण्ड 3 के उप-खण्ड (5) के अनुसार गणना की गई हो।

स्पष्टीकरण-1 - "कर देय" में इस उप-खण्ड में संदर्भित किसी अधिनियम के अंतर्गत जारी आकलन नोटिस या आकलन आदेश के अनुसार आकलित कर की राशि शामिल है, चाहे यह आपत्ति सुनवाई प्राधिकारी (ओएचए) के समक्ष आपत्ति/संशोधन के लिए या अपीलीय प्राधिकारी/अधिकरण या किसी उच्चतर न्यायालय, जिसमें रिट याचिका और विशेष अनुमति याचिका शामिल हो, के समक्ष अपील/संशोधन के लिए लंबित हो।

स्पष्टीकरण-2 - जहां किसी व्यक्ति को किसी चूक के संबंध में कोई आकलन नोटिस या आकलन आदेश जारी किया गया हो, वहां "कर देय" शब्द में चूक से संबंधित कर देयता भी शामिल होगी, जिन्हें उसी कर अवधि के लिए आकलन नोटिस या आकलन आदेश में शामिल न किया गया हो।

स्पष्टीकरण-3 - इस योजना में किसी संगत अधिनियम के अंतर्गत जारी अर्थदंड संबंधी आकलन नोटिस के मामले शामिल नहीं होंगे और इनका कर की कमी से कोई संबंध नहीं होगा।

(ड.) "कर" का अभिप्राय उपर्युक्त उप-खण्ड (1)(क) में संदर्भित अधिनियम(मों) के अंतर्गत निपटान किए गए "कर" से है।

(2) यहां प्रयुक्त शब्द और अभिव्यक्तियां, जिन्हें इस योजना में परिभाषित नहीं किया गया है, का संबंधित अधिनियमों या उसके अंतर्गत निर्मित नियमों में क्रमशः उल्लिखित अर्थ होगा।

3. कर देय की गणना की कार्य-पद्धति - (1) डीलर, जिसे अधिनियम की धारा 32 के अंतर्गत आकलन नोटिस न दिया गया हो, द्वारा खण्ड 2(1)(घ) के उप-खण्ड (i) के संबंध में उसके द्वारा कर देय की गणना निम्न प्रकार की जाएगी:

- (i) डीलर सबसे पहले इस योजना के अंतर्गत की जाने वाली घोषणा के संबंध में वस्तु-वार कर योग्य कारोबार निर्धारित करेगा;
- (ii) तत्पश्चात् वह घोषणा के अधीन अवधि के लिए अधिनियम में संलग्न अनुसूचियों के अनुसार लागू वस्तु पर कर की दर का पता लगाएगा।
- (iii) कर देय की गणना उपर्युक्त मद (i) में उल्लिखित वस्तु के प्रत्येक वर्ग के संबंध में उपर्युक्त मद (ii) के अनुसार कर की दर से गुणा करके की जाएगी।

स्पष्टीकरण: जहां अधिनियम के अध्याय-X के अंतर्गत कोई लेखा-परीक्षा, विशेष लेखा-परीक्षा, सर्वेक्षण, या निरीक्षण प्रारंभ या आयोजित किया गया हो, लेकिन अधिनियम की धारा 32 के अंतर्गत कोई आकलन नोटिस जारी न किया गया हो, वहां डीलर इस योजना के अंतर्गत अपनी कर देय की घोषणा करने के लिए पात्र होगा।

(2) डीलर, जिसे अधिनियम की धारा 32 के अंतर्गत आकलन नोटिस दिया गया हो, द्वारा खण्ड 2(1)(घ) के उप-खण्ड (i) के संबंध में कर देय की गणना फार्म डीवैट-24 में कर और ब्याज के चूक आकलन के नोटिस के अनुसार निर्धारित कर और ब्याज की राशि को जोड़कर की जाएगी, जिसमें से डीलर द्वारा भुगतान की गई राशि को घटा दिया जाएगा, जो उक्त मांग के लिए स्वैच्छिक रूप से या न्यायालय निर्देश के अनुरूप हो। ऐसा कर, जिसके लिए अधिनियम की धारा 33 के अंतर्गत आकलन नोटिस जारी किया गया हो, के संबंध में अर्थदंड माफ हो जाएगा।



स्पष्टीकरण - डीलर को इस उप-खण्ड के अंतर्गत ही फार्म डीवैट-24 में आकलन नोटिस में लगाए गए ब्याज की राशि का भुगतान करना होगा और उसे उसके बाद देय ब्याज चुकाने योग्य राशि से मुक्ति मिल जाएगी।

- (3) इस खण्ड के उप-खण्ड (1) या (2) में निहित किसी बात के होते हुए कार्य अनुबंध के निष्पादन में संलग्न डीलरों के संबंध में कर देय की गणना निम्नलिखित दर पर उनके कुल कारोबार (कार्य अनुबंध से संबंधित श्रम और सेवाओं के मूल्य सहित) से गुणा करके की जाएगी:

(क) परिसर, भवन, सिविल ढांचा या उसके किसी भाग, जिसमें आवासीय इकाई या परिसर या भवन शामिल हो, के निर्माण में संलग्न कार्य ठेकेदार डीलरों द्वारा निर्माण के पूरा होने से पहले किसी खरीददार को बिक्री, चाहे पूर्ण या आंशिक रूप से हो, जिसमें भूमि के मूल्य को कुल निर्माण लागत में शामिल किया गया हो, के लिए कुल निर्माण का 1%; और

(ख) अन्य कार्य ठेकेदारों [उपर्युक्त (क) में उल्लिखित डीलरों सहित, जो दिल्ली मूल्य वर्धित कर नियम, 2005 के नियम 3 के प्रावधानों के अनुसार भूमि का मूल्य निकालने का विकल्प चुनते हैं] द्वारा कुल कारोबार का 3% (श्रम और सेवाओं के मूल्य सहित)।

- (4) डीलर द्वारा खण्ड 2 (1)(घ) के उप-खण्ड (ii) के संबंध में कर देय की गणना आकलन आर्डर में निर्धारित कर और ब्याज की राशि को जोड़कर की जाती है, जिसमें से डीलर द्वारा भुगतान की राशि को घटा दिया जाता है, जो उक्त मांग के लिए स्वैच्छिक या न्यायालय निर्देश के अनुसार जमा होगा। ऐसा कर, चाहे आकलन आदेश से संबंधित हो या कोई पृथक आदेश से, के संबंध में लगाया जाने वाला अर्थदण्ड माफ हो जाएगा।

स्पष्टीकरण: डीलर आकलन आदेश में दी गई ब्याज की राशि का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होगा और उसे उसके बाद देय ब्याज चुकाने योग्य राशि से मुक्ति मिल जाएगी।

- (5) ऐसे व्यक्तियों, जिनकी स्रोत पर कर कटौती होती हो, की खण्ड 2 (1)(घ) के उप-खण्ड (iii) के संबंध में कर देय की गणना कार्य अनुबंध के निष्पादन या वास्तव में काटी गई राशि, जो भी अधिक हो, के लिए किसी देनदारी की अदायगी के लिए व्यक्ति द्वारा भुगतान की गई या उधार ली गई कुल राशि के तीन प्रतिशत की दर पर की जाएगी, जिसमें से ऐसी अदायगी के लिए पहले जमा की गई राशि को घटा दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण: इस उप-खण्ड में ऐसे मामले शामिल होंगे, जहां न तो ठेकादाता के स्रोत पर कर कटौती की गई हो और न ही ठेकेदार ने कर देयता का भुगतान किया हो, जो उस अनुबंध के

संबंध में देय था। इस उप-खण्ड के अंतर्गत घोषणा करने वाले और उसके आसन्न ठेकेदार को ऐसे कर के संबंध में ब्याज और अर्थदंड के भुगतान से मुक्ति प्रदान की जाएगी।

4. कर देय की घोषणा और भुगतान करने की कार्य पद्धति - (1) इस योजना के अन्य प्रावधानों के अंतर्गत, कोई व्यक्ति इस अधिसूचना के साथ संलग्न फार्म डीएससी-1 में 31 जनवरी, 2014 को या उससे पहले विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को कर देय की घोषणा कर सकता है।

(2) विनिर्दिष्ट प्राधिकारी घोषणा की प्राप्ति की तारीख से पंद्रह कार्य दिवसों की अवधि में इस अधिसूचना के साथ संलग्न फार्म डीएससी-2 में घोषणा के प्राप्त होने की पावती देगा।

(3) घोषणा करने वाला, उप-खण्ड (1) के अंतर्गत घोषित कर देय का पचास प्रतिशत से कम का भुगतान नहीं करेगा और विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को घोषणा के साथ ऐसे भुगतान का प्रमाण प्रस्तुत करेगा।

(4) उप-खण्ड (3) के अंतर्गत किए गए भुगतान का समायोजन करने के बाद, कर देय की बकाया राशि या उसके भाग के भुगतान को, घोषणा करने वाले द्वारा 21 मार्च, 2014 को या उससे पहले जमा किया जाना चाहिए।

(5) उप-खण्ड (3) और उप-खण्ड (4) में निहित किसी बात के होते हुए कोई कर, जो कर 1 अप्रैल, 2013 से प्रारंभ कर अवधि(अवधियों) तथा तत्पश्चात के लिए घोषणा करने वाले द्वारा देय या चुकाने योग्य हो जाता है, का भुगतान अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा :

बशर्ते कि जहां किसी अपंजीकृत डीलर ने इस खण्ड के उप-खण्ड (1) में संदर्भित घोषणा की हो, तो ऐसा डीलर पंजीकरण प्राप्त करेगा और 1 अप्रैल, 2013 से पंजीकरण की तारीख तक की अवधि के लिए निवल कर भुगतान करेगा और इस योजना के अंतर्गत घोषणा करते समय विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को फार्म डीवैट-20 में भुगतान के प्रमाण सहित उस अवधि के लिए फार्म डीवैट-16 में विवरणी प्रस्तुत करेगा। ऐसा डीलर, कर के विलंब से किए गए भुगतान और अधिनियम के अंतर्गत विवरणी न भरने के लिए, योजना के खण्ड 5 के अंतर्गत मुक्ति पाने के लिए पात्र होगा।

(6) घोषणा करने वाला विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को इस योजना के अंतर्गत समय-समय पर किए गए भुगतान का ब्यौरा तथा उप-खण्ड (2) के अंतर्गत उसे जारी की गई पावती की प्रति प्रस्तुत करेगा।

(7) उप-खण्ड (4) के अंतर्गत घोषित कर देय के पूरे भुगतान का ब्यौरा प्रस्तुत करने पर, विनिर्दिष्ट प्राधिकारी इस अधिसूचना के साथ संलग्न फार्म डीएससी-3 में घोषणा करने वाले को पंद्रह दिनों के अंदर ऐसी देयता की अदायगी की पावती जारी करेगा।

(8) कोई डीलर, जिसने पंजीकरण प्राप्त न किया हो, खण्ड 4 के उप-खण्ड (1) में संदर्भित अनुसार घोषणा देने से पहले पंजीकरण प्राप्त करेगा। इसी प्रकार, कोई व्यक्ति, जो अधिनियम की धारा 36क के अंतर्गत कर की कटौती करने के लिए जिम्मेदार हो, कर कटौती खाता संख्या (टैन) प्राप्त करेगा, यदि उसके द्वारा इसे पहले प्राप्त न किया गया हो।

5. **ब्याज, दंड और अन्य कार्यवाहियों से मुक्ति** - (1) योजना के किसी प्रावधान में निहित किसी बात के होते हुए, घोषणा करने वाला खण्ड 4 के उप-खण्ड (1) के अंतर्गत उसके द्वारा घोषित कर देय का भुगतान करने पर, दण्ड, खण्ड 3 के उप-खण्ड (2) और (4) के अनुसार देय ब्याज के अलावा ब्याज, अभियोग या अधिनियम के अंतर्गत अन्य किसी कार्यवाहियों, जैसी भी स्थिति हो, केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 या तत्कालीन कार्य अनुबंध पर दिल्ली बिक्री कर अधिनियम, 1975 (1975 का 43) या कार्य अनुबंध पर दिल्ली बिक्री कर अधिनियम 1999 (1999 का दिल्ली अधिनियम 9) या वस्तु के उपयोग के अधिकार पर दिल्ली बिक्री कर अधिनियम, 2002 (2002 का दिल्ली अधिनियम 13) या स्थानीय क्षेत्रों में मोटर वाहनों के प्रवेश पर दिल्ली कर अधिनियम, 1994 (1995 का दिल्ली अधिनियम 4), के अंतर्गत घोषणा करने वाले को घोषित कर देय के संबंध में, और पंजीकरण न करवाने और विवरणियों को समय पर प्रस्तुत न करने पर जुर्माने और अभियोजन से मुक्ति मिल जाएगी।

स्पष्टीकरण: इस उप-खण्ड के प्रयोजनार्थ "घोषणा करने वाले" शब्द में निम्नलिखित शामिल होगा -

- (i) ठेकादाता, जिसने अधिनियम की धारा 36 क(1) के अंतर्गत कार्य अनुबंध प्रदान किया है, होने के कारण घोषणा करने वाला अपने आसन्न ठेकेदार, जिसे उन्होंने कार्य ठेका दिया है, ठेकादाता द्वारा घोषित राशि की सीमा तक; और
- (ii) घोषणा करने वाले का ठेकेदार होने पर, उनका आसन्न ठेकादाता, जिसे अधिनियम की धारा 36 क(1) के अंतर्गत कार्य ठेका प्रदान किया है।

स्पष्टीकरण - संदेहों को दूर करने के लिए, एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि दोहरे कराधान से बचने के लिए यदि ठेकादाता ने कर देय की घोषणा की है, तो उसके आसन्न ठेकेदार को उस सीमा तक, और विपरीत क्रम में मुक्ति मिल जाएगी।

- (2) खण्ड 8 के प्रावधानों के अधीन, खण्ड 4 के उप खण्ड (1) के अंतर्गत की गई घोषणा खण्ड 4 के उप-खण्ड (7) के अंतर्गत अदायगी की पावती के जारी होने पर निर्णायक होगी तथा तत्पश्चात् इस योजना या अधिनियम के अंतर्गत घोषणा किए जाने वाले द्वारा घोषित कर देनदारियों की सीमा तक ऐसी घोषणा में शामिल अवधि से संबंधित किसी प्राधिकारी या न्यायालय के समक्ष किसी कार्यवाही में कोई मामला दोबारा खोला नहीं जाएगा/उसका आकलन/समीक्षा नहीं की जाएगी।
- (3) अधिकरण के चरण तक अर्द्ध-न्यायिक मंचों के समक्ष लंबित सभी वैधानिक अपीलें/संशोधनों में योजना का एक बार विकल्प चुनने पर वापस लिया हुआ माना जाएगा। इसके अलावा, उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में लंबित सभी मामलों को घोषणा करने वाले द्वारा वापस ले लिया जाएगा और उसे न्यायालय के समक्ष वापस लिए जाने वाले मामले को घोषणा करने से मामला वापस लेने के लिए दायर किया गया आवेदन घोषणा के साथ प्रस्तुत करना होगा।
- (4) पंजीकरण कराने के 48 घंटों के अंदर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी, बशर्ते कि पंजीकरण कराने वाला टिन/टैन के लिए आवेदन देते समय योजना के अंतर्गत विकल्प चुनने के अपने आशय की घोषणा करे।
- (5) योजना के अंतर्गत घोषणा द्वारा एकत्रित सूचना को गोपनीय रखा जाएगा और इसका योजना को छोड़कर अन्य कोई इस्तेमाल नहीं किया जाएगा तथा इसे अन्य किसी व्यक्ति/सरकारी विभाग/ के साथ साझा नहीं किया जाएगा।
6. इस योजना के अंतर्गत भुगतान किए गए कर को न लौटाना - खण्ड 4 के उप-खण्ड (1) के अंतर्गत की गई घोषणा के अनुसरण में भुगतान की गई किसी राशि को किसी भी परिस्थिति में लौटाया नहीं जाएगा।
7. घोषणा करने के बाद कर देय का भुगतान करने में असफल रहना - जहां घोषणा करने वाला कर देय, चाहे पूरा या आंशिक, के संबंध में उसके द्वारा की गई घोषणा के अनुसार भुगतान करने में असफल रहता है तो ऐसी देयता उस पर देय ब्याज सहित अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत वसूली की जाएगी।
8. सही घोषणा करने में असफल रहना - (1) योजना के खण्ड 5 में निहित किसी बात के होते हुए, जहां 1 अप्रैल, 2009 से प्रारंभ अवधि के लिए आयुक्त के पास यह मानने का स्पष्ट कारण हो कि सामग्री विवरणों के संबंध में की गई घोषणा झूठी थी, तो वह लिखित में



[illegible][illegible][illegible][illegible]

वस्तु का नाम	वस्तु कोड	कारोबार (रुपए)	संगत तारीख को कर की दर		कर की राशि (रुपए)
			संगत अधिनियम, यदि कोई हो का प्रवेश/अनुसूची	(%)	
कल देय कर					

परियोजना का नाम	भूमि के मूल्य सहित कारोबार	1% की दर से कर की राशि (रुपए)
कुल देय कर		

ठेके का नाम	कारोबार (रुपए)	नियम 3 के अनुसार भूमि का मूल्य (रुपए)	भूमि के मूल्य को छोड़कर ठेका राशि (रुपए)	3% की दर से कर की राशि (रुपए)
(i)	(ii)	(iii)	(iv)=[(ii)-(iii)]	
कुल देय कर				

## 6ग. मुकदमेबाजी के अंतर्गत लंबित मांग का ब्यौरा

अधिनियम जिसके अंतर्गत मांग लंबित है (कृपया उल्लेख करें)	अवधि जिससे मांग संबंधित है।	चूक आकलन/ आकलन आदेश की तारीख	संदर्भ सं./डी सीआर सं.	आकलित राशि		भुगतान की गई राशि		बकाया मांग		देय बकाया		आपत्ति सं./अपी ल सं. (जो भी लागू हो)	उच्चतम न्यायालय/ उच्च न्यायालय/ अपीलीय अधिकरण/ ओएचए
				कर	ब्याज	कर	ब्याज	कर	ब्याज	कर	ब्याज		
डीएसटी अधिनियम													
डीवैट अधिनियम													
सीएसटी अधिनियम													

6घ. कुल देय कर

रु. ....

7. भुगतान का ब्यौरा

डीलर द्वारा जमा की गई राशि (समान संलग्न करें)											
क्र.स.	जमा राशि की तारीख	चालान नं.	बैंक और शाखा का नाम	राशि (रुपए)							
देय बकाया											

8. कोई प्रस्तुति/स्पष्टीकरण:

सत्यापन

मैं.....(नाम स्पष्ट अक्षरों में) पुत्र/पुत्री  
 श्री.....निष्ठापूर्वक यह घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने दिल्ली कर  
 अनुपालन प्राप्ति योजना 2013 को पढ़ और समझ लिया है, और मेरी जानकारी और विश्वास के  
 अनुसार यह घोषणा तथा इसके साथ संलग्न अनुलग्नकों में दी गई सूचना सही और पूर्ण है तथा कर  
 देनदारियों की राशि और इसमें दर्शाया गया अन्य ब्यौरा सही दिया गया है।

घोषणा करने वाले/अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर मोहर सहित

स्थान:

दिनांक:

घोषणा सं. (विभाग द्वारा दिया जाए)

दिनांक:

## अनुदेश

1. योजना को डीवैट अधिनियम, 2004 की धारा 107 के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। इसमें निहित प्रावधानों को सावधानीपूर्वक पढ़ा जाए (देखें वेबसाइट [www.dvat.gov.in](http://www.dvat.gov.in))।
2. इस प्रपत्र को विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाए और हार्ड कॉपी संबंधित विनिर्दिष्ट प्राधिकारी या इस प्रयोजन के लिए तैनात अन्य किसी अधिकारी को प्रस्तुत की जाए।
3. प्रत्येक वस्तु/कार्य अनुबंध के लिए कर देय की गणना अलग से की जाए, यदि कर देय घोषणा की अवधि के दौरान एक से अधिक वस्तु/कार्य अनुबंध से संबंधित हो।
4. प्रपत्र डीएससी-2 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी से पावती प्राप्त की जाए।
5. घोषणा करने वाला किसी स्पष्टीकरण के लिए संबंधित अतिरिक्त आयुक्त/संयुक्त आयुक्त से संपर्क कर सकता है।

प्रपत्र डीएससी-2

[योजना के खंड 4 के उप-खंड (2) के अंतर्गत जारी घोषणा की पावती]

सं.								
-----	--	--	--	--	--	--	--	--

नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार, योजना के खंड 4 के अंतर्गत उप-खंड (1) के अंतर्गत दर्ज घोषणा की पावती।

1. घोषणा सं. दिनांक

[illegible]

2. घोषणा करने वाले का नाम

[illegible]

3. घोषणा करने वाले का पता

[illegible]

4. कर पहचान संख्या (टीआईएन), पंजीकरण संख्या, यदि कोई हो

[illegible]

5. घोषित देय कर

[illegible]

6. वैंट देय के भुगतान की अनुसूची

क.	आवेदन के साथ भुगतान की गई न्यूनतम राशि							
ख.	21 मार्च, 2014 को या उससे पहले भुगतान की जाने वाली शेष कर देयता							





## 6. कर देनदारियों का भुगतान

क.	आवेदन के साथ भुगतान की जाने वाली न्यूनतम राशि								
ख.	शेष कर देनदारियों का 21 मार्च, 2014 को या उससे पहले भुगतान किया जाना है।								
	कुल किया गया भुगतान / देय राशि								

## 7. चालान(नों) का ब्यौरा

चालान सं. (एस) (सीआईएन)	राशि

विनिर्दिष्ट प्राधिकारी के हस्ताक्षर, नाम और मोहर

दिल्ली

दिनांक:

No. F. 3(16)/Fin. (Rev.-I)/2013-14/ds-VI/786.—Whereas the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is of the opinion that it is necessary in the interest of general public so to do.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 107 of the Delhi Value Added Tax Act, 2004 (Delhi Act 3 of 2005) (hereinafter referred to as "the Act"), the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi, hereby provides for the Delhi Tax Compliance Achievement Scheme, 2013, subject to fulfilling the eligibility conditions and compliance procedures specified in this notification, namely:-

1. **Short title, extent and commencement.**- 1. This Scheme may be called the Delhi Tax Compliance Achievement Scheme, 2013.
2. It shall come into force from the date of its publication in the official Gazette.

2. **Definitions.**- (1) In this Scheme, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act(s)" means the Delhi Value Added Tax Act, 2004 (Delhi Act 3 of 2005) or Central Sales Tax Act, 1956 or the erstwhile Delhi Sales Tax Act, 1975 (43 of 1975) or the Delhi Sales Tax on Works Contract Act, 1999 (Delhi Act 9 of 1999) or the Delhi Sales Tax on Right to Use Goods Act, 2002 (Delhi Act 13 of 2002) or the Delhi Tax on Entry of Motor Vehicles into Local Areas Act, 1994 (Delhi Act 4 of 1995), whichever is relevant;
- (b) "declarant" means any person who makes a declaration under sub-clause (1) of clause 4;
- (c) "designated authority" means officer(s) not below the rank of Joint Commissioner as notified by the Commissioner, Value Added Tax for the purposes of this Scheme;
- (d) "tax dues" means-
  - (i) tax due or payable by the dealers, registered or required to be registered, under the Act or the Central Sales Tax Act, 1956 for the period beginning from the 1st day of April, 2005 and ending on the 31st day of

March, 2013, but not paid or partly paid till the 31st day of August, 2013 and calculated in accordance with sub-clauses (1), (2) and (3) of clause 3 of the Scheme; and

(ii) tax due and payable under the Central Sales Tax Act, 1956 or the erstwhile Delhi Sales Tax Act, 1975 (43 of 1975) or the Delhi Sales Tax on Works Contract Act, 1999 (Delhi Act 9 of 1999) or the Delhi Sales Tax on Right to Use Goods Act, 2002 (Delhi Act 13 of 2002) or the Delhi Tax on Entry of Motor Vehicles into Local Areas Act, 1994 (Delhi Act 4 of 1995) for the period prior to 1<sup>st</sup> April, 2005, but not paid or partly paid till the 31st day of August, 2013 and calculated in accordance with sub-clause (4) of clause 3 of the scheme; and

(iii) tax due and payable by a person who is liable to deduct tax at source under section 36A of the Act in accordance with the provisions of said section for the period 1<sup>st</sup> day of April 2005 and ending on 31<sup>st</sup> day of March, 2013 but not paid or partly paid till the 31st day of August, 2013, and calculated in accordance with sub-clause (5) of clause 3 of this Scheme.

Explanation.-1- "Tax dues" includes the amount of tax assessed in terms of notice of assessment or assessment order issued under any of the Acts referred to in this sub-clause, whether pending in objection/revision before the objection hearing authority (OHA) or in appeal/revision before appellate authority/Tribunal or any higher court, including writ petition and special leave petition.

Explanation.-2- Where a notice of assessment or assessment order has been issued to a person in respect of some default(s), the term "tax dues" shall also include tax dues relating to default(s) not covered in the notice of assessment or assessment order for the same tax period.

Explanation.-3- This Scheme does not cover cases of notice of assessment of penalty issued under any of the relevant Acts and without having any relation to tax deficiency.

- (e) "tax" means tax dealt under Act(s) referred to in sub-clause (1)(a) above.
- (2) Words and expressions used herein and not defined in this scheme, shall have the meanings respectively assigned to them in the respective Acts or the rules framed thereunder.

3. **Procedure for Calculation of Tax Dues.**- (1) Tax dues in respect of sub-clause (i) of clause 2(1)(d) by the dealer on whom notice of assessment under section 32 of the Act has not been served shall be calculated by him in the following manner:

- (i) The dealer shall first determine the commodity wise taxable turnover in respect of which declaration is to be made under this Scheme;
- (ii) He shall then ascertain the rate of tax of that commodity applicable as per Schedules appended to the Act for the period under declaration.
- (iii) Tax dues shall be calculated by multiplying the rate of tax as per item (ii) above in respect of every class of commodity stated at item (i) above.

Explanation.- Where any audit, special audit, survey, or inspection has been initiated or conducted under Chapter X of the Act, but no notice of assessment under section 32 of the Act has been issued, the dealer shall be eligible to make

declaration of his tax dues under this Scheme.

- (2) Tax dues in respect of sub-clause (i) of clause 2(1)(d) by the dealer on whom notice of assessment under section 32 of the Act has been served, shall be calculated by aggregating the amount of tax and interest determined as per Notice of default assessment of tax and interest in Form DVAT-24 less the amount paid by the dealer, voluntarily or pursuant to a court direction, towards the said demand. The penalty in relation to such tax for which a notice of assessment of penalty may have been issued under section 33 of the Act shall stand waived off.

Explanation.- The dealer shall be liable pay the amount of interest charged in Notice of assessment in Form DVAT-24 only under this sub clause and shall get immunity for interest due and payable thereafter.

- (3) Notwithstanding anything contained in sub-clause (1) or (2) of this clause, tax dues in respect of the dealers engaged in the execution of works contract shall be calculated by multiplying their total turnover (including value of labour and services relating to works contract) at the following rate:

- (a) 1% of the total consideration by the dealers, being works contractors, engaged in construction of complex, building, a civil structure or a part thereof, including residential unit or complex or building, for sale whether wholly or partly, to a buyer before construction is complete, where value of land is included in total consideration; and
- (b) 3% of the total turnover (including value of labour and services) by the other works contractors [including the dealers stated at (a) above, who opt to exclude the value of land in accordance with the provisions of rule 3 of Delhi Value Added Tax Rules, 2005].

- (4) Tax dues in respect of sub-clause (ii) of clause 2(1)(d) by the dealer shall be calculated by aggregating the amount of tax and interest determined in the assessment order less the amount paid by the dealer, voluntarily or pursuant to a court direction, towards said demand. The penalty, if any, leviable in relation to such tax whether in the assessment order or by way of separate order shall stand waived off.

Explanation.- The dealer shall be liable to pay the amount of interest charged in the assessment order and shall get immunity for interest due and payable thereafter.

- (5) Tax dues in respect of sub-clause (iii) of clause 2(1)(d) by the persons required to deduct tax at source shall be calculated at the rate of three percent of the total sum paid or credited by the person for discharge of any liability for the execution of works contract or the amount actually deducted, whichever is greater less the amount already deposited towards such discharge.

Explanation.- This sub-clause covers those cases where neither the contractee has deducted tax at source nor the contractor has paid the taxes due and payable on that contract. Immunity under this sub clause shall be granted from payment of

interest and penalty in relation to such tax to the declarant and his immediate contractor.

**4. Procedure for making declaration and payment of tax dues .-** (1) Subject to the other provisions of this Scheme, a person may make a declaration of the tax dues to the designated authority on or before the 31st day of January 2014 in **Form DSC-1** appended to this notification.

- (2) The designated authority shall acknowledge the receipt of declaration in **Form DSC-2** appended to this notification, within a period of fifteen working days from the date of receipt of the declaration.
- (3) The declarant shall pay not less than fifty per cent of the tax dues declared under sub-clause (1) along with the declaration and submit proof of such payment to the designated authority.
- (4) The remaining amount of tax dues or part thereof remaining to be paid after adjusting the payment made under sub-clause (3) shall be paid by the declarant on or before the 21<sup>st</sup> day of March, 2014.
- (5) Notwithstanding anything contained in sub-clause (3) and sub-clause (4), any tax which becomes due or payable by the declarant for the tax period(s) beginning from 1<sup>st</sup> day of April, 2013 and thereafter shall be paid by him in accordance with the provisions of the Act:

Provided that where an unregistered dealer has made declaration referred to in sub-clause (1) of this clause, such dealer shall obtain registration and pay net tax for the period from 1<sup>st</sup> day of April 2013 to the date of registration and furnish return in **Form DVAT-16** for that period along with proof of payment in **Form DVAT-20** to the designated authority at the time of furnishing of declaration under this Scheme. Such a dealer shall be eligible for immunity under clause 5 of the Scheme for late payment of such tax and non-filing of return under the Act.

- (6) The declarant shall furnish to the designated authority, details of payment made from time to time under this Scheme along with a copy of acknowledgement issued to him under sub-clause (2).
- (7) On furnishing the details of full payment of declared tax dues payable under sub-clause (4), the designated authority shall issue an acknowledgement of discharge of such dues within fifteen days to the declarant in **Form DSC-3** appended to this notification.
- (8) A dealer who has not taken registration shall obtain registration prior to filing of declaration as referred in sub-clause (1) of clause 4. Likewise, a person who is responsible for making deduction of tax under section 36A of the Act, shall obtain a Tax Deduction Account Number (TAN), if not already obtained.

**5. Immunity from interest, penalty and other proceedings.-** (1) Notwithstanding anything contained in any provision of the Scheme, the declarant, upon payment of the tax dues declared by him under sub-clause (1) of clause 4, shall get immunity from penalty or penalties, interest other than interest payable in terms of sub-clauses (2) and (4) of clause 3, prosecution or any other proceedings under the Act or, as the case may be, under the Central Sales Tax Act, 1956 or the erstwhile Delhi Sales Tax Act, 1975 (43 of 1975) or the

Delhi Sales Tax on Works Contract Act, 1999 (Delhi Act 9 of 1999) or the Delhi Sales Tax on Right to Use Goods Act, 2002 (Delhi Act 13 of 2002) or the Delhi Tax on Entry of Motor Vehicles into Local areas Act, 1994 (Delhi Act 4 of 1995), in relation to the tax dues declared by the declarant; and from penalty and prosecution for non-registration and non-furnishing of returns in time.

Explanation.- For the purpose of this sub-clause, the term "declarant" shall include-

(i) in relation to the declarant being a contractee, who has awarded the works contract under section 36A(1) of the Act, his immediate contractor to whom he has awarded the works contract, to the extent of amount declared by the contractee; and

(ii) in relation to the declarant being a contractor, his immediate contractee who has awarded the works contract under section 36A(1) of the Act.

Explanation -For removal of doubts, it is hereby declared that, to avoid double taxation, if the contractee has declared tax dues, his immediate contractor will also get immunity to that extent, and vice-versa.

- (2) Subject to the provisions of clause 8, a declaration made under sub-clause (1) of clause 4 shall become conclusive upon issuance of acknowledgement of discharge under sub-clause (7) of clause 4 and no matter shall be reopened/ reassessed/ reviewed thereafter in any proceedings under this Scheme or under the Act before any authority or court relating to the period covered by such declaration to the extent of tax dues declared by the declarant.
  - (3) All statutory appeals/ revisions pending before quasi-judicial forums upto the stage of Tribunal shall be deemed to have been withdrawn once the Scheme is opted for. Further, all matters pending in the High Court and Supreme Court shall be withdrawn by the declarant and he will need to submit the application filed for withdrawal with the declaration, for the case to be withdrawn before the court.
  - (4) No proceeding shall be instituted within 48 hours of securing a registration, provided, the registrant declares his intent of opting under the Scheme at the time of applying for TIN/ TAN.
  - (5) The information gathered vide a declaration under the scheme shall be kept confidential and shall not be used except under the Scheme and the same shall not be shared with any other person/ government department/ agency.
6. **No refund of tax paid under this Scheme.** - Any amount paid in pursuance of a declaration made under sub-clause (1) of clause 4 shall not be refundable under any circumstances.
  7. **Failure to pay tax dues after making declaration.**- Where the declarant fails to pay the tax dues, either fully or in part, as declared by him, such dues along with interest thereon shall be recoverable under the provisions of the Act.
  8. **Failure to make true declaration.**- (i) Notwithstanding anything contained in clause 5 of the Scheme, where the Commissioner has, for a period beginning from 1<sup>st</sup> April, 2009, reasons to believe that the declaration was false in material particulars, he may, for reasons ~~to be~~ recorded in writing, serve notice on the

declarant in respect of such declaration requiring him to show cause as to why he should not be required to pay the tax dues unpaid or short-paid as per the provisions of the Scheme.

- (2) If the Commissioner is satisfied, for reasons to be recorded in writing, that the declaration made by the dealer was substantially false,
- (i) he shall within three months of service of notice under sub-clause (1) make assessment of tax and penalty under section 32 and 33 of the Act, as if that dealer had never made declaration under this Scheme. However, the dealer shall be entitled to the credit of tax paid by him under this Scheme; and
- (ii) such dealer may be proceeded under sub-section (2) of section 89 of the Act for furnishing of false declaration.
- (3) No notice shall be issued under sub-clause (1) of this clause after the expiry of one year from the date of declaration.

9. **Removal of doubts.**— For the removal of doubts, it is hereby declared that nothing contained in this Scheme shall be construed as conferring any benefit, concession or immunity on the declarant other than the benefit, concession or immunity granted under clauses 3 and 5 of this scheme.

## FORM DSC-1

[In duplicate]

**Declaration under sub-clause (1) of clause 4 of the Scheme**

(Please read the instructions carefully before filling the form)

1. Name of the declarant

[illegible]

- 2. Address of the declarant**

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

3. Telephone No./Mobile No.

[illegible]

4. Email to

[illegible]

2. Tax Identification Number (TIN), Registration Number, if any

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

- S. TAN

[illegible]

- 6.A If the dealer is engaged in sales other than works contract

Name of Commodity	Commodity Code	Turnover (Rs.)	Rate of Tax as on the relevant date		Amount of tax (Rs.)
			Entry/ Schedule of relevant Act, if any	(%)	
Total tax due					

6B (i) Dealers (including buidiers/developers) engaged in Works Contract including the value of land ( Part (a) of sub clause(3) of clause 3 of the Scheme) - @ 1%

Name of project	Turnover Including value of land	Amount of tax @ 1% (Rs.)
<b>Total tax due</b>		

(ii) Other Works contractors (Part (b) of sub-clause (3) of clause 3 of the Scheme) - @ 3%

Name of contract	Turnover (Rs.)	Value of land as per Rule 3 (Rs.)	Contract amount excluding value of land (Rs.)	Amount of tax @ 3% (Rs.)
(i)	(ii)	(iii)	(iv) = [(ii)-(iii)]	
<b>Total tax due</b>				

### 6 C. Details of demands pending under litigation

Act under which demand is pending (please specify)	Period to which demand pertains	Date of Default Assessme nt/Assess ment Order	Refer ence No./ DCR No.	Amount assessed		Amount paid		Outstandin g demand		Balance Payable		Objecti on No./Ap peal No. (which ever is applica ble)	Supre me Cour/ High Court/ Appella te Tribun al/OHA
				Ta x	Int er est	Tax	Int er est	Tax	Int er est	Tax	Int er est		
DST Act													
DVAT Act													
CST Act													

6D. Total Tax Due

Rs. ....

### 7. Details of payment

Amount deposited by the dealer (attach proof)							
S.No.	Date of deposit	Challan No.	Name of Bank and Branch	Amount (Rs.)			
<b>Balance payable</b>							

### 8. Any submissions/ clarifications:

#### VERIFICATION

I.....(name in block letters) son/daughter of Shri..... solemnly declare that I have read and understood the Delhi Tax Compliance Achievement Scheme, 2013, and to the best of my knowledge and belief, the information given in this declaration and the enclosures accompanying it are correct and complete and the amount of tax dues and other particulars shown therein are truly stated.

Signature of the declarant/authorised person with stamp

Place:

Date:

Declaration No.

(To be  
assigned by

Date



**Instructions:**

1. The Scheme has been notified under section 107 of the DVAT Act, 2004. The provisions contained therein may be read carefully (refer [www.dvat.gov.in](http://www.dvat.gov.in)).
2. This Form shall be submitted online on departmental website and hard copy to be submitted to the concerned designated authority or any other officer deputed for the purpose.
3. The tax dues may be computed separately for each commodity/works contract, if the tax dues relates to more than one commodity/works contract during the period of declaration.
5. Obtain an acknowledgment from the designated authority in form DSC -2.
6. The declarant may approach the concerned Addl. Commissioner/Joint Commissioner for any clarification.

**FORM DSC-2**

[Acknowledgment of declaration issued under sub-clause (2) of clause 4 of the Scheme].

No								
----	--	--	--	--	--	--	--	--

Receipt of a declaration filed under sub-clause (1) of clause 4 of the Scheme, as per the details below, is acknowledged.

- |    |  |      |
|----|--|------|
| 1. | Declaration No.  | Date |
|    |  |      |
| 2. | Name of the declarant  |      |
|    |  |      |
| 3. | Address of the declarant   |      |
|    |  |      |
| 4. | Tax Identification Number (TIN)/Registration Number, if any                        |      |
|    |  |      |
| 5. | Tax dues declared  |      |
|    |  |      |
| 6. | Schedule for payment of VAT Dues   |      |
| A. | Minimum amount to be paid with the application                                     |      |
| B. | Remaining tax dues to be paid on or before the 21 <sup>st</sup> day of March, 2014 |      |
|    | Total Tax Paid/Payable   |      |

Signature of the declarant/  
authorised person with stamp

**Delhi:**

**Date :**

**Instructions:**

1. This acknowledgment has been issued on the basis of declaration furnished by the declarant and it does not certify the correctness of the declaration made. This Acknowledgement does not certify payment of any tax dues.

4073 DC/13-10

FORM DS-23

**[Issued under sub-clause (7) of clause 4 of the Scheme]**

[illegible]

**1. Declaration No.**

Date \_\_\_\_\_

[illegible]

2. Name of the declarant

[illegible]

**3. Address of the declarant**

[illegible]

**4. Tax Identification Number (TIN)/Registration Number**

[illegible]

### 5. Tax dues declared under the scheme

[illegible]

### 6. Payment of tax dues

A.	Minimum amount to be paid with the application								
B.	Remaining tax dues to be paid on or before the 21 <sup>st</sup> day of March, 2014								
	Total Tax Paid/Payable								

### 7. Details of chalian(s)

Challan No (s) (CIN)	Amount

## Delhi

Date:

## नियमावली

- पृष्ठ-१

मूल / संशोधित

संशोधन करने के कारण बताएं

[illegible]

<p>आर 3 आपके व्यापार की प्रमुख मदों का विवरण (कर अवधि के लिए बिक्रीयों की मात्रा के क्रम से या कम से कम 80 प्रतिशत तक बिक्री की मात्रा होने तक 1. अधिकतम मात्रा से 5-निम्नतर मात्रा )</p>	क्रम संख्या	वस्तु का कोड	वस्तु का विवरण	कर की दर
	1			
	2			
	3			
	4			
	5			

[illegible][illegible]

आर 6 दावा की गई कटौतियाँ	कर की दर (डीवैट)	कुल बिक्री (रुपये)
आर 6.1 भारत से बाहर निर्यात		
आर 6.1(1) निर्यात[धारा 5(1)]		
आर 6.1(2) सागर परिधि बिक्री		
आर 6.1(3) एच फार्म के प्रति बिक्री [धारा 5(3)] (अंतर्राज्यीय)		
आर 6.1(4) उप-जोड़.[आर 6.1(1)+ आर 6.1(2)+ आर 6.1(3)]		
आर 6.2 एफ फार्म के प्रति स्टॉक/शाखा अंतरण [धारा 6(क)]		
आर 6.2(1) खेप के आधार पर		
आर 6.2(2) शाखा अंतरण		
आर 6.2(3) एफ फार्म के प्रति स्वयं का माल जॉब वर्क के लिए प्राप्त		
आर 6.2(4) एफ फार्म के प्रति अन्य व्यापारियों से जॉब वर्क के लिए प्राप्त वस्तुएँ		
आर 6.2(5) उप-जोड़.[आर 6.2(1)+ आर 6.2(2)+ आर 6.2(3)+ आर 6.2(4)]		
आर 6.3 सी+ई-  /ई-   फार्म [धारा 6(2)] के प्रति बिक्री		
आर 6.4 कूटनीतिज्ञ मिशनों एवं संयुक्त राष्ट्र आदि को बिक्री [धारा 6(3)]		
आर 6.5 छूट प्राप्त वस्तुओं की बिक्री (दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट)		
आर 6.6 धारा 8(4)के साथ पठित [धारा 9(1)] के परन्तुक के अंतर्गत बिक्री		
आर 6.7 दिल्ली से बाहर वस्तुओं की बिक्री (धारा 4)		
आर 6.8 आई फार्म के प्रति एस.ई.जैड. को बिक्री [धारा 8(6)से धारा 8(6)]		
आर 6.9 भाड़ा, वितरण, भाड़ा या स्थापना की लागत जो अलग से चार्ज किया गया हो और साधारण व्यापार पद्धतियों के अनुसार नकद छूट की अनुमति		
आर 6.10 सन्निर्माण सविदाओं के लिए जॉब वर्क श्रमिक एवं सेवा प्रभार जो बिक्री नहीं है लेकिन केन्द्रीय कुल बिक्री में शामिल है ।		
आर 6.11 दावा की गई कुल कटौतियाँ [आर		

[illegible]

[illegible]

क्रम सं०	जमा कराने की तिथि	बालान संख्या	बैंक का नाम एवं शाखा	राशि	
आर 8 शुद्ध शेष * (आर 7.16 – आर 7.17)					
* शुद्ध शेष घनात्मक नहीं होना चाहिए वृत्ति देय राशि विवरणी प्रस्तुत कराने से पहले जमा कराई जाए यदि पंक्ति आर 8 पर शुद्ध शेष नकारात्मक है तो इस खाने में विवरण दीजिए					
आर 9 लाइन आर 8 से अग्रेषित शेष (आर 8 का घनात्मक शेष)					
आर 9.1 स्थानीय कर के अंतर्गत देयता समयोजित					
आर 9.2 अगामी कर अवधि में अग्रेषित शेष					

आर 10 घोषणा / लम्बित फार्म के वैधिक वार दिखायी	वर्ष (पिछले चार साल जो पूरे हो चुके हैं से लेकर चालू तिमाही तक तिमाही वार)	बिकी हेतु	बिकी का कुल मूल्य	प्राप्त हुए वैधानिक प्रपत्र/ घोषणा पत्रों की राशि	बकाया वैधानिक प्रपत्र/घोष णा पत्रों की राशि	गुमशुदा फार्मों का कर दर के अनुसार सम्बन्ध विच्छेद		लम्बित समर्पित फार्म के मद में भुगतान की राशि	
						कर की दर	राशि	कर	ब्याज
		प्रपत्र --ग (ई1/ई2 की पारगमन बिकी को छोड़कर)							
		एफ फार्म							
		एच फार्म							
		आई फार्म							
		सी+ई1 / ई2							
		सी फार्म							
		ई1/इ '2 फार्म							



## RULES

(2) They shall come into force on the date of its publication in the Delhi Gazette.

**2. Substitution of Form 1** - In the principal Rules, in forms appended thereto, for Form 1, the following shall be substituted, namely:-

Ward No. \_\_\_\_\_

Form 1  
[See Rule 3]  
**The Central Sales Tax (Deihi) Rules 2005**  
**Return of Sales Tax payable for the quarter under the**  
**Central Sales Tax Act, 1956**

Original/Revised

if revised -

(i) **Date of filing**

original return

(ii) Acknowledgement

Receipt No.

(iii) Date of discovery of mistake or error

Specify the reasons for revision

R1 Tax Period	From		/		/		To		/		/	
		dd		mm		yy		dd		mm		yy

[illegible]

R3 Description of top items you deal in	Sl. No.	Commodity code	Description of goods	Rate of tax
(In order of volume of sales for the tax period or till the aggregate of sale volume reaches at least 80% - 1-highest volume to 5-lowest volume)	1			
	2			
	3			
	4			
	5			



R4 Turnover details
R4.1 Gross Turnover
R4.2 Local Turnover
R4.3 Central Turnover

[illegible]

<b>R6 Deductions Claimed</b>	<b>Tax Rate (DVAT)</b>	<b>Turnover (Rs.)</b>
<b>R6.1 Export outside India</b>		
R6.1(1) Export [Sec.5(1)]		
R6.1(2) High Sea Sales		
R6.1(3) Sale against H Forms [Sec. 5(3) ( Inter-State)]		
R6.1(4) Sub-Total [R6.1(1)+R6.1(2)+ R6.1(3)]		
<b>R6.2 Stock/Branch Transfer against F Forms [Sec.6(a)]</b>		
R6.2(1) On consignment basis		
R6.2(2) Branch Transfer		
R6.2(3) Own goods transferred for Job Work against F Form		
R6.2(4) Other dealers' goods returned after Job work against F-Form		
R6.2(3) Sub-Total [R6.2(1)+R6.2(2)+R6.2(3)+R6.2(4)]		
<b>R6.3 Sales against C+E-I/ E-II Forms [Sec.6(2)]</b>		
<b>R6.4 Sales to diplomatic missions &amp; U.N. etc. [Sec.6(3)]</b>		
<b>R6.5 Sale of Exempted Goods (specified in Schedule 1 of DVAT ACT)</b>		
<b>R6.6 Sales covered under proviso to [Sec.9(1)] Read with Sec.8(4)]</b>		
<b>R6.7 Sales of Goods Outside Delhi (Sec.4)</b>		
<b>R6.8 Sale to S.E.Z. against Form I [Sec.8(6) to 8(8)]</b>		
<b>R6.9 Cost of Freight, deliveries, freight or installation, separately charged and cash discount allowed according to ordinary trade practices.</b>		
<b>R6.10 Job work, labour &amp; Services charges for works contracts not amounting to sales but included in the Central Turnover</b>		
<b>R6.11 Total deductions claimed [R6.1(4) to R6.10]</b>		
<b>R6.12 Balance Total Taxable turnover of Inter State Sales (R5.1-R6.11)</b>		

[illegible]

R10 Year-wise details of pending forms/ declarations.	Year (quarter wise for the last four years completed and upto the current quarter)	Sale against	Amount of Total Sale	Amount of Forms/Declarations received	Amount of Forms/Declarations Pending	Tax rate wise break up of missing forms		Amount paid on account of missing forms	
						Tax Rate (DVA T)	Amount	Tax	Interest
		'C' Form (Excluding sale in transit against E1/E2)							
		'F' Form							
		'H' Form							
		'I' Form							
		C + E1/E2							
		E1/E2 Form							

**R 11. Utilisation Account of Declaration Forms issued in Advance before filing of the tax return**

[illegible]

## R12. Verification

I/We \_\_\_\_\_ hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed there from.

Signature of Authorised Signatory

Full Name (first name, middle, surname)

Designation/Status

[illegible]

Date			
	Day	Month	Year

## INSTRUCTIONS FOR FILLING OF FORM 1

1. Please complete all the applicable fields in the Form 1 and leave other fields blank.
2. Copies of 'C' Portion of the Challan shall be attached to the Return Verification Form DVAT-56, wherever applicable, without which the Return would be treated as incomplete.
3. All figures should be rounded off to the nearest rupee.
4. The value of goods returned for sales made during the current tax period should be shown in R5 and the amount of tax on value of sold goods returned under CST Act, for the previous tax periods, but not older than six months, should be reflected in R7.9.
5. Sale against H Forms under section 5(3) under the Central Sales Tax Act should be reported in R6 1(3). The sales made against H Form by a Delhi dealer to the Exporter in Delhi should be reported in Form DVAT-16.

By Order and in the Name of the Lt. Governor  
of the National Capital Territory of Delhi.

H. P. SHARMA, Dy. Secy. (Infra)

## स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग

## अधिसूचना

दिल्ली, 20 सितम्बर, 2013

सं. फा. 50(46)/89/औ.नि./स्था./पार्ट फाइल/14007.—औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली 1945 के नियम 2(1) के साथ पठित नियम 59 के उप-नियम (1) तथा नियम 67-क के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली क्षेत्र के उपराज्यपाल श्री अतुल कुमार नासा औषधि निरीक्षक को संपूर्ण दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिये उक्त नियमावली के भाग 6 तथा भाग 6-क के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु लाइसेंस प्राधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं ।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल  
के आदेश से तथा उनके नाम पर,  
अशोक कुमार, उप-सचिव

## HEALTH AND FAMILY WELFARE DEPARTMENT

## NOTIFICATION

Delhi, the 20th September, 2013

No. F. 50(46)/89/DC/Estt./Part File/14007.—In exercise of powers conferred under sub-rule (1) of rule 59 and sub-rule (1) of rule 67-A, read with rule 2(1) of Drugs and Cosmetics Rules 1945, the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi is pleased to appoint Sh. Atul Kumar Nasa, Drugs Inspector, Government of NCT of Delhi as Licensing Authority in respect of Part VI and Part VI-A of the said Rules for whole of National Capital Territory of Delhi.

By Order and in the Name of the Lt. Governor  
of the National Capital Territory of Delhi,

ASHOK KUMAR, Dy. Secy.

## गृह ( पुलिस-II) विभाग

## अधिसूचना

दिल्ली, 20 सितम्बर, 2013

**सं. फा. 20(23)-2000-गृह पुलिस-II/7296.**— दिल्ली नगर निगम, 1957 (1957 का 66) की धारा 469 तथा नई दिल्ली नगर पालिका परिषद अधिनियम, 1994 (1994 का 44) की धारा 375 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों को, जिन्हें दिल्ली के उच्च न्यायालय के पंजीयक (सतर्कता) की दिनांक 21.08.2013 की दिल्ली उच्च न्यायालय की अधिसूचना संख्या 30/डीएचसी/गजट/जी-14/विशेष एम एम/2013 के अनुसार दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 18 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसरण में विशेष महानगर दण्डाधिकारी की समस्त शक्तियां प्रदत्त की गई हैं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 और नई दिल्ली नगर-पालिका परिषद अधिनियम, 1994 के अन्तर्गत अपराधिक मामलों की सुनवाई हेतु उन्हें विशेष महानगर दण्डाधिकारी की शक्तियां प्रदान करते हैं। यह शक्तियां तब तक जारी रहेंगी, जब तक दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें विशेष महानगर दण्डाधिकारी की शक्तियां प्राप्त हैं:—

1. श्री विजय खन्ना
2. श्री सोम नाथ शर्मा
3. श्री अरुण कुमार सक्सेना
4. श्री आर.पी. विमल
5. श्री रोशन लाल यादव
6. श्री के.एस.शर्मा
7. श्री अजीजुद्दीन अहमद
8. श्री पवन कुमार गुप्ता
9. श्री भाग मल जैन
10. श्री रवि कान्त
11. श्री भागवत प्रसाद
12. श्री दीपक चन्द्र जोशी
13. श्री विरेन्द्र सिंह
14. श्री दया नन्द शर्मा
15. श्री अशोक कुमार वर्मा
16. श्री प्रदीप बैजल
17. श्री आर.पी.भाटिया
18. श्री श्याम सुन्दर जिन्दल
19. लेटि.कर्मल (सेवानिवृत्त) सियोदान सिंह
20. कर्मल (सेवानिवृत्त) ठाकुर सिंह काउन्दल
21. श्री प्रेम चन्द
22. श्री राज किशोर
23. श्री मंजीत राय
24. श्री ओम प्रकाश हुड्डा
25. श्री राज कृष्ण सहरावत
26. श्री अशोक कुमार
27. श्री हरीश चन्दर सेठी
28. श्री सुरेन्द्र मोहन भारद्वाज

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल  
के आदेश से तथा उनके नाम पर,  
जी. पी. सिंह, अतिरिक्त सचिव (गृह)

## HOME (POLICE-II) DEPARTMENT

## NOTIFICATION

Delhi, the 20th September, 2013

No. F. 20(23)-2000-HP-II/7296.— In exercise of the powers conferred by section 469 of the Delhi Municipal Corporation Act, 1957 ( 66 of 1957) and section 375 of the New Delhi Municipal Council Act, 1994, (44 of 1994), the Hon'ble Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi is pleased to confer upon the following persons, who have been conferred with all powers of Special Metropolitan Magistrate in accordance with the provisions of sub-section ( 1) of section 18 of the Code of Criminal Procedure , 1973 ( 2 of 1974), vide the High Court of Delhi Notification No. 30 /DHC/GAZ/G-14/SPL. MM/2013 dated 21.08.2013 of Registrar ( Vigilance), High Court of Delhi, the powers of Municipal Magistrate for the trial of offences under the Delhi Municipal Corporation Act, 1957 and New Delhi Municipal Council Act, 1994, within the National Capital Territory of Delhi for such period as the powers of Special Metropolitan Magistrate conferred upon them by the High Court of Delhi exist:-

1. Shri Vijay Khanna
2. Shri Som Nath Sharma
3. Shri Arun Kumar Saxena
4. Shri R.P. Vimal
5. Shri Roshan Lal Yadav
6. Shri K.S. Sharma
7. Shri Azizuddin Ahmed
8. Shri Pawan Kumar Gupta
9. Shri Bhag Mal Jain
10. Shri Ravi Kant
11. Shri Bhagwat Prasad
12. Shri Deepak Chandra Joshi
13. Shri Virender Singh
14. Shri Daya Nand Sharma
15. Shri Ashok Kumar Verma
16. Shri Pradeep Baijal
17. Shri R.P. Bhatia
18. Shri Shyam Sunder Jindal
19. Lt. Col. ( Retd.) Sheodan Singh
20. Col. ( Retd.) Thakur Singh Kaundal
21. Shri Prem Chand
22. Shri Raj Kishore
23. Shri Manjit Rai
24. Shri Om Prakash Hooda
25. Shri Raj Krishan Sehrawat
26. Shri Ashok Kumar Kumar
27. Shri Harish Chander Sethi
28. Shri Surender Mohan Bhardwaj

By Order and in the Name of the Lt. Governor  
of the National Capital Territory of Delhi,

G. P. SINGH, Addl. Secy. (Home)

## भूमि एवं भवन विभाग

## अधिसूचनाएं

दिल्ली, 20 सितम्बर, 2013

सं. फा. 7(19)/11/भू.व.भ./भू.अ./एमआरटीएस/10254.

जबकि दिल्ली के उपराज्यपाल को यह संतुष्टि होती है कि सार्वजनिक प्रयोजन एवं सार्वजनिक व्यय पर सरकार द्वारा शीट नं० 1, पॉकेट 'ए', शीट नं० 1, पॉकेट 'बी', भक्ति वेदान्त स्वामी मार्ग की भूमि दिल्ली मेट्रो फेस-III हेतु प्राप्त किया जाना है। अतः इसके द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित इलाके में उक्त प्रयोजन के लिए भूमि अधिग्रहण किया जाना है।

यह घोषणा भूमि अधिग्रहण अधिनियम 1894 की धारा 6 के अधीन सर्वसंबंधित के लिए प्रचालित की जाती है, जिसके लिए भूमि अधिग्रहण अधिनियम 1894 की धारा 4 के अंतर्गत अधिसूचना संख्या 7(19)/11/भू.व.भ./भू.अ./एमआरटीएस/7343 दिनांक 13.8.2013 द्वारा की जा चुकी है। और उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबंधों के अधीन दिल्ली के भूमि अधिग्रहण कलेक्टर (दक्षिण) दिल्ली, को उक्त भूमि का अधिग्रहण के लिए आदेश लेने के लिए इसके द्वारा निर्देश दिया जाता है।

भूमि के नक्शे का अवलोकन दिल्ली के भूमि अधिग्रहण समाहर्ता (दक्षिण), एम.बी. रोड, साकेत, नई दिल्ली के कार्यालय में किया जा सकता है।

## विशिष्ट विवरण

गांव का नाम	कुल क्षेत्र (बीघा-बिस्वा)	क्षेत्र (बीघा-बिस्वा)
बहापुर	2971.533 वर्ग मीटर	576/2 मिन (2971.533 वर्ग मीटर)

## LAND AND BUILDING DEPARTMENT

## NOTIFICATIONS

Delhi, the 20th September, 2013

No. F. 7(19)/11/L&amp;B/LA/MRTS/10254.—

Whereas the Lt. Governor, Delhi is satisfied that land is required to be taken by Government at the public expense for a public purpose namely Sheet No.1 Pocket A, Sheet No.1 Pocket B, Bhakti Vedant Swami Marg. It is, hereby, notified that the land in the locality described in the specification below is likely to be acquired for the above purpose.

This declaration is made under the provisions of Section 6 of the Land Acquisition Act, 1894 in respect of the land notified u/s 4 of L.A. Act, 1894 vide Notification No.F.7(19)/11/L&B/LA/MRTS/7343 dated 13/8/2013 to all whom it may concern. Under the provisions of Section 7 of the said Act, the Land Acquisition Collector (South), Delhi is hereby directed to take orders for the acquisition of the said land.

A plan of the land may be inspected at the office of the Land Acquisition Collector (South), M.B.Road, Saket, New Delhi.

**SPECIFICATION**

VILLAGE	TOTAL AREA	FIELD NO. & AREA
Bahapur	2971.533 Sqm	576/2 Min (2971.533 Sqm)

सं. फा. 7(19)/11/भू.व.भ./भू.अ./एमआरटीएस/10255.—भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 की धारा 17 की उप-धारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये दिल्ली के उपराज्यपाल भूमि अधिग्रहण कलेक्टर (दक्षिण) दिल्ली को सहर्ष निर्देश देते हैं कि वे उक्त अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के अधीन इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिन की समाप्ति पर ऐसी भूमि पर कब्जा कर लें जिसका विशिष्ट विवरण अधिसूचना संख्या एफ. 7(19)/11/भू.व.भ./भू.अ./एमआरटीएस/7343 दिनांक 13-8-2013 धारा 4 एवं सं. एफ. 7(19)/11/भू.व.भ./भू.अ./एमआरटीएस/10254 दिनांक 20-9-2013 धारा 6 में दिया हुआ है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल  
के आदेश से तथा उनके नाम पर,  
विनय कुमार, अतिरिक्त सचिव

No. F. 7(19)/11/L&B/LA/MRTS/10255.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 17 of the Land Acquisition Act, 1894, the Lt. Governor, Delhi is pleased to direct the Land Acquisition Collector (South), Delhi to take possession of land the specification of which is given in this notification u/s 4 No. F. 7(19)/11/L&B/LA/MRTS/7343 dated 13-8-2013 and u/s 6 No. F. 7(19)/11/L&B/LA/MRTS/10254 dated 20-9-2013 on expiration of 15 days from publication of the notice under sub-section (1) of Section 9 of the said Act.

By Order and in the Name of the Lt. Governor  
of the National Capital Territory of Delhi.

VINAY KUMAR, Addl. Secy.

व्यापार एवं कर विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 20 सितम्बर, 2013

सं. फा. 7(239)/पी-1/वैट/2009/803-816.—इस विभाग की अधिसूचना संख्या फा. 7(400)/नीति/वैट/2011/383-396 दिनांक 5-7-2013 के आंशिक संशोधन में, पहले पैराग्राफ में निम्नलिखित संशोधन किए जाते हैं :

- (i) कम संख्या 22 के बाद '23. यूनाईटेड बैंक ऑफ इंडिया' जोड़ा जाता है।
- (ii) कम संख्या 14 महाराष्ट्र बैंक की जगह '14. बैंक ऑफ महाराष्ट्र' रखा जाता है।

उपर्युक्त अधिसूचना की बाकी सामग्री उसी प्रकार रहेगी।

प्रशांत गोयल, आयुक्त, मूल्य संबंधित कर



## DEPARTMENT OF TRADE AND TAXES

## NOTIFICATION

Delhi, the 20th September, 2013

**No. F. 7(239)/P-I/VAT/2009/803-816.**—In partial modification of this Department's Notification No. 7(400)/Policy/VAT/2011/383-396 dated 5-7-2013, in the first para following corrections are made :

- (i) After Sl.No 22, "23 United Bank of India" is added.
- (ii) For Sl.No.14 Maharashtra Bank "14. Bank of Maharashtra" is substituted.

Rest of the contents of the above said Notification shall remain the same.

PRASHANT GOYAL, Commissioner Value Added Tax

माप एवं तोल विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 20 सितम्बर, 2013

सं. फा. 8/18/एमडब्ल्यूएम/विधि/98/पार्ट-IV/1360. जबकि दिल्ली विधिक माप पद्धति (प्रवर्तन) संशोधन नियमावली, 2012 का प्रारूप इस सरकार की दिनांक 20 फरवरी, 2013 की अधिसूचना संख्या फा0 8/18/एमडब्ल्यूएम/विधि/98/पार्ट-IV/3114 के अनुसार 20 फरवरी, 2013 के दिल्ली राजपत्र में विधि व माप पद्धति (प्रवर्तन) अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा (2) के खंड (थ) के साथ पठित धारा 53 की उपधारा (4) की गथापेक्षानुसार दिल्ली राजपत्र में उक्त अधिसूचना की प्रकाशन तिथि से 30 दिन के भीतर इससे प्रभावित होने वाले व्यक्तियों से सुझाव/आपत्तियां आमंत्रित करने के लिये प्रकाशित किया गया था।

और जबकि उक्त राजपत्र जनता को 20 फरवरी, 2013 को उपलब्ध था;

और जबकि उक्त प्रारूप नियमावली के संबंध में कोई आपत्तियां/सुझाव प्राप्त नहीं हुए।

अब इसलिये विधिक माप पद्धति अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 2 के खंड (क्यू) के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल, केंद्र सरकार से परामर्श के पश्चात् निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त शीर्षक, विस्तार एवं प्रारंभ :- (1) इन नियमों को दिल्ली विधिक माप पद्धति (प्रवर्तन) संशोधन, नियमावली, 2012 कहा जा सकेगा।  
(2) यह दिल्ली राजपत्र में प्रकाशन तिथि से प्रभावी होगी।
2. अनुसूची IX का संशोधन :- दिल्ली विधिक माप पद्धति (प्रवर्तन) नियमावली, 2011 की अनुसूची IX में, —

- (i) क्रम संख्या 6 पर मद में, शीर्षक में "उपकरण" शब्द के पश्चात् "(धर्मकांटा रहित)" शब्दों तथा कोष्ठक को सन्निविष्ट किया जायेगा।
- (ii) क्रम संख्या 7 पर मद में, शीर्षक में "उपकरण" शब्द के पश्चात् "(धर्मकांटा रहित)" शब्दों तथा कोष्ठक को सन्निविष्ट किया जायेगा।
- (iii) मद संख्या 7 के पश्चात् निम्नलिखित मद सन्निविष्ट की जायेगी, अर्थात् :-

"7-क धर्मकांटा के लिये सत्यापन शुल्क-गैर स्वचालित तोलनयंत्र - मैकेनिकल (तुल्यरूप) एवं इलैक्ट्रॉनिक श्रेणी-III तथा IIII

400टन	6000.00
300टन	5000.00
200टन	5000.00
150टन	4000.00
100टन	4000.00
80टन	4000.00
60टन	4000.00
50टन	4000.00
40टन	4000.00
30टन	4000.00
25टन	4000.00
20टन	4000.00
15टन	4000.00
10टन	1500.00
5टन	1000.00
3टन	800.00
2टन	800.00
1.5टन	800.00
1टन	800.00

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल  
के आदेश से तथा उनके नाम पर,  
एस. एस. यादव, सचिव विधिक माप पद्धति

## WEIGHTS AND MEASURES DEPARTMENT

## NOTIFICATION

Delhi, the 20th September, 2013

No. F. 8/18/MWM/Legal/98/Part-IV/1360.—Whereas the draft of the Delhi Legal Metrology (Enforcement) Amendment Rules, 2012, was published as required under sub-section (4) of section 53 read with clause (q) of section 2 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) in the Delhi Gazette on the 20<sup>th</sup> February, 2013 vide this Government's Notification No. F.8/18/MWM/Legal/98/Part-IV/3114 dated 20<sup>th</sup> February, 2013 inviting suggestions/objections from the persons likely to be affected thereby, within 30 days from the date of the publication of the said notification in the Delhi Gazette.

And whereas, the said Gazette was made available to the public on the 20<sup>th</sup> February, 2013.

And whereas, no suggestions/objections has been received with regard to the said draft rules.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 53 read with clause (q) of section 2 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010), the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi in consultation with the Central Government, is pleased to make the following rules, namely:--

1. **Short title and commencement.**- (1) These rules may be called the Delhi Legal Metrology (Enforcement) Amendment Rules, 2012,  
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Delhi Gazette.
2. **Amendment of Schedule IX.**- In the Delhi Legal Metrology (Enforcement) Rules, 2011, in Schedule IX, --
  - (i) in the item at Sr. No. 6, in the heading, after the word "Instruments", the words and bracket "(excluding weighbridges)" shall be inserted;
  - (ii) in the item at Sr. No. 7, in the heading, after the word "Instruments", the words and bracket "(excluding weighbridges)" shall be inserted;

(iii) after the item No. 7, the following item shall be inserted, namely:-

**"7-A. Verification fee for weighbridge – Non automatic weighing instruments – Mechanical (analogue) and Electronic Class-III and Class-III:**

400 t	6000.00
300 t	5000.00
200 t	5000.00
150 t	4000.00
100 t	4000.00
80 t	4000.00
60 t	4000.00
50 t	4000.00
40 t	4000.00
30 t	4000.00
25 t	4000.00
20 t	4000.00
15 t	4000.00
10 t	1500.00
5 t	1000.00
3 t	800.00
2 t	800.00
1.5 t	800.00
1 t	800.00

By Order and in the Name of the Lt. Governor  
of the National Capital Territory of Delhi,

S. S. YADAV, Secy. Legal Metrology